हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 05.08.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 15 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये   RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री ने किया शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

105.2 करोड़ की योजनाओं की सौगात

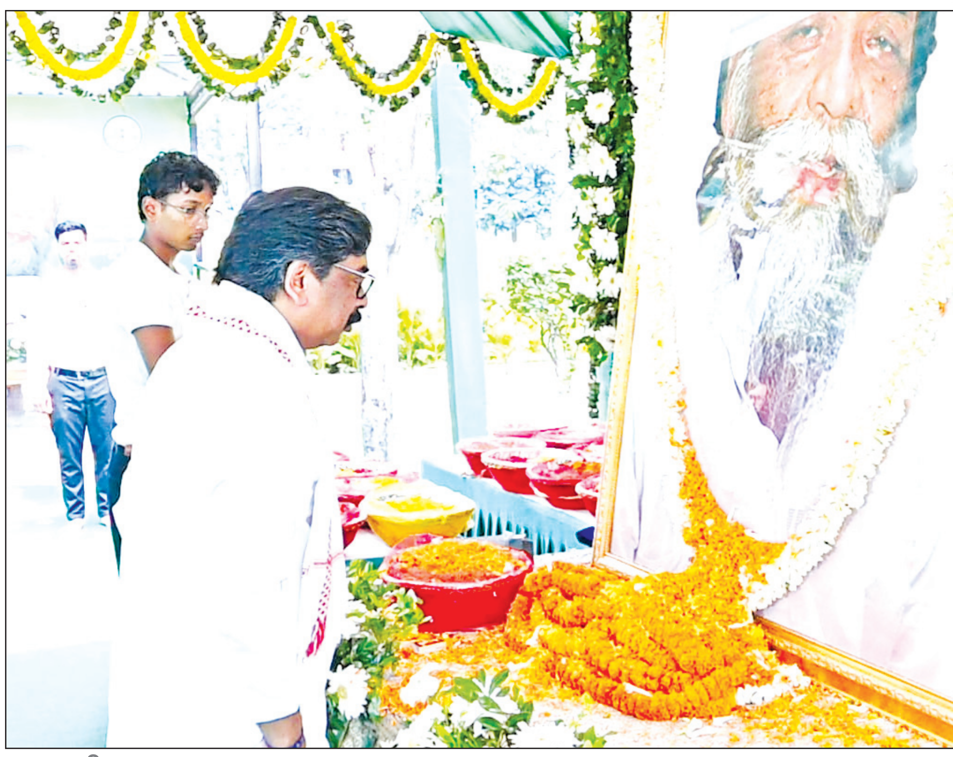

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को रामगढ़ जिले के नेमरा (लुकैयाटांड़) स्थित सोना सोबरन +2 उच्च विद्यालय परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित विकास मेला-सह-पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के लिए 105.2 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात भी दी गई।

- झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को पद्म भूषण से सम्मानित झारखंड आंदोलन के महानायक एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर मोरहाबादी स्थित उनके आवास पहुंचकर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
- इस अवसर पर दिवंगत दिशोम गुरु की धर्मपत्नी रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्षपूर्ण जीवन, योगदान तथा आदर्शों को याद किया।

मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन, माता रूपी सोरेन सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक, सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन उनके और उनके पूरे परिवार के लिए अत्यंत भावुक है। उन्होंने कहा कि यह पीड़ा केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे झारखंड और आदिवासी, दलित, शोषित तथा पिछड़े समाज के लिए भी यह गहरा भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थापना का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास, संघर्ष और जड़ों से जोड़कर रखना है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपने संघर्ष और जनआंदोलन के माध्यम से अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार किया। उन्होंने राज्य निर्माण, सामाजिक न्याय और वंचित समाज के अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व को केवल राजनीतिक नेता के रूप में नहीं, बल्कि जननायक के रूप में याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अपने दादा अमर शहीद सोबरन मांझी के योगदान को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए थे। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में असामाजिक ताकतें सक्रिय हैं और उनसे मुकाबला करने का सबसे बड़ा हथियार आपसी एकजुटता, सम्मान और भाईचारा है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने इतिहास और पूर्वजों के संघर्ष से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के पास ऊर्जा और अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उसे सही दिशा में आगे बढ़ाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन जैसे महान आंदोलनकारियों की भूमि है। उनके त्याग और संघर्ष के कारण ही झारखंड को अपनी अलग पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि अब इस राज्य को सजाने-संवारने और विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और लोगों की आवाज को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि लुकैयाटांड़ अब केवल एक स्मृति स्थल नहीं रहेगा, बल्कि झारखंड के आंदोलन और सामाजिक चेतना का प्रेरणा केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रतिकूल मौसम के बावजूद नेमरा और लुकैयाटांड़ पहुंचे सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन के विचार, आदर्श और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत लाभुकों को सहायता सामग्री, स्वीकृति पत्र और अन्य परिसंपत्तियां प्रदान की गईं। मुख्यमंत्री ने लाभुकों से योजनाओं का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है।

सीएम ने अपने दादा सोबरन मांझी को भी किया याद

मुख्यमंत्री अपने दादा सोबरन मांझी को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर अपने पिता की प्रतिमा उन्होंने स्थापित की है, उसी लुकैयाटांड़ के जंगल में उनके दादा का भी समाधि स्थल है। सामाजिक तत्वों ने बेरहमी से उनकी हत्या कर दी थी। शोषण करने वालों ने उस समय जो कांड किया था, आज भी वैसी घटनाएं सुनने को मिलती हैं।

छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का बयान

मैं सीना चीरकर नहीं दिखा सकता...

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मैं सीना चीर कर नहीं दिखा सकता कि हम कितने गंभीर है। बहुत गंभीरता के साथ छात्रों के मामले को देख रहे है। सरकार के आँख-कान है। संवेदनशीलता भी है। छात्रों के हित में जो भी होगा वह राज्य सरकार निर्णय लेगी। छात्र आंदोलन पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने यह बातें कहीं हैं। सीएम ने कहा कि जिसके पीछे पड़ते है ठीक कर के रहते है। जांच एजेंसी के उत्तर और अनुसंधान का इंतजार है. बहुत जल्द राज्य के लोगों को इस विषय पर बताएंगे।

जो संवैधानिक और नियम है उसके अनुरूप छात्रों को सहयोग मिलेगा। दरअसल रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों के जारी आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का यह बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार पूरे प्रकरण पर पैनी नजर है। उन्होंने कहा, सरकार हर पहलू पर नजर रखते हुए राज्यहित में काम कर रही है। छात्रों के आंदोलन और उनकी मांगों को सरकार गंभीरता से ले रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए उचित समय पर ठोस निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवा सरकार की मंशा पर विश्वास बनाए रखेंगे। हेमन्त सोरेन ने स्पष्ट किया कि राज्य में सभी स्तरों पर प्रशासनिक गतिविधियां जारी हैं और जांच एजेंसियां पूरी सक्रियता के साथ काम कर रही हैं।

स्टालिन को हाईकोर्ट से राहत, पूछताछ के बाद रिहाई का आदेश

एजेंसी

चेन्नई : तमिलनाडु के विपक्षी नेता और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को निर्देश दिया है कि पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया जाए। हाईकोर्ट ने उदयनिधि को स्टेशन जमानत देने का आदेश दिया और जांच में जरूरत पड़ने पर सहयोग करने को कहा है। पुलिस ने चेन्नई के नीलांकरई स्थित उदयनिधि स्टालिन के आवास से उन्हें हिरासत में लिया था। उनके साथ डीएमके के कई कार्यकताओं को भी हिरासत में लिया गया। बाद में पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए तंजावुर ले गई।

ईरान-अमेरिका डील की उम्मीद से हॉर्मुज खुलने के संकेत

एजेंसी

वॉशिंगटन : ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि मंगलवार या बुधवार तक ऐसा समझौता हो सकता है, जिससे हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सकेगी। इस खबर का असर वैश्विक तेल बाजार पर भी दिखा और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

स्कॉट बेसेंट ने एक अमेरिकी समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है और जल्द समझौते की संभावना है। उन्होंने कहा कि संभावित व्यवस्था में हॉर्मुज से जहाजों को बिना किसी रुकावट के आवाजाही की अनुमति मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि तनाव के बावजूद कुछ जहाज हॉर्मुज से गुजर रहे हैं, लेकिन समुद्री यातायात अभी सामान्य स्तर से काफी कम है। सामान्य दिनों में जहां 100 से ज्यादा जहाज गुजरते हैं, वहीं सोमवार को केवल छह जहाजों के गुजरने की जानकारी सामने आई।

बेसेंट के अनुसार, हॉर्मुज क्षेत्र में करीब 1,000 जहाज बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। इनमें तेल टैंकरों के अलावा उर्वरक, पेट्रोलियम उत्पाद और औद्योगिक गैसों की ढुलाई करने वाले जहाज भी शामिल हैं।

हॉर्मुज खुलने की संभावना से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में तुरंत असर देखने को मिला। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत करीब चार प्रतिशत गिरकर 77 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंच गई। बाजार को उम्मीद है कि समुद्री रास्ता सामान्य होने से तेल आपूर्ति को लेकर चिंता कम होगी और कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

हालांकि हॉर्मुज को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह साफ नहीं है। अमेरिकी पक्ष जहां समझौते की उम्मीद जता रहा है, वहीं ईरान ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार किया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हॉर्मुज को लेकर चर्चा ईरान और ओमान के बीच चल रही है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान और ओमान के बीच सुरक्षित समुद्री आवाजाही के लिए अस्थायी व्यवस्था पर बातचीत हुई है। विवाद का मुख्य मुद्दा जहाजों के मार्ग और हॉर्मुज के संचालन में ईरान की भूमिका को लेकर है।

अमेरिका चाहता है कि जहाजों को बिना शुल्क और रोक-टोक के आवाजाही की स्वतंत्रता मिले, जबकि ईरान हॉर्मुज के प्रबंधन में अपनी भूमिका बनाए रखना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाल में कहा था कि बातचीत का रास्ता खोलने के लिए उन्होंने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को रोक दिया था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि संभावित समझौता अमेरिका-ईरान के बीच होगा या ओमान की मध्यस्थता से कोई अलग व्यवस्था बनेगी।

एयर इंडिया की उड़ान में टर्बुलेंस, 12 यात्री घायल

एजेंसी

नई दिल्ली : फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान को मंगलवार को हवा में टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस दौरान विमान में सवार 12 लोग घायल हो गए। घायलों में 10 यात्री और दो केबिन क्रू सदस्य शामिल हैं।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या एआई2379 फुकेट से दिल्ली आते समय हल्के टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। लैंडिंग से पहले विमान को हवा में अचानक झटके लगे, जिससे कुछ यात्री और चालक दल के सदस्य घायल हो गए।

सूत्रों के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के लिए नीचे आ रहा था। टर्बुलेंस के कारण विमान कुछ समय के लिए अस्थिर हो गया। इसके बाद विमान ने सुबह 11 बजकर 07 मिनट पर दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग की।

एयर इंडिया ने बताया कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाल लिया गया। घायलों को हवाई अड्डे पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।

टर्बुलेंस हवा के दबाव और घनत्व में अचानक बदलाव के कारण होता है। जब विमान एक तरह के वायु क्षेत्र से दूसरे वायु क्षेत्र में प्रवेश करता है तो उसे हवा में झटकों का सामना करना पड़ सकता है।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का गणना चरण पूरा 280141 मतदाता का नहीं होगा प्ररूप प्रकाशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पूरे हजारीबाग जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का गणना चरण पूरा कर लिया गया है। इस बाबत जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, हजारीबाग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी जानकारी दी। बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर जिले में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) 2026 के तहत गणना चरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी हेमंत सती ने बताया कि जिले के कुल 16,32,168 मतदाताओं में से 13,52,027 मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरकर डिजिटाईज कर दिया गया है। वहीं शेष 2,80,141 अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट एवं हस्ताक्षर से मना करने वाले (ASDDF) मतदाताओं का गणना प्रपत्र Uncollectable के रूप में डिजिटाईज किया गया है। इन 2,80,141 मतदाताओं का नाम प्ररूप मतदाता सूची में प्रकाशित नहीं होगा।

विधानसभा वार स्थितिः

20-बड़कागांव विधान सभा :कुल 3,95,717 मतदाता। इसमें 3,44,088 EFs डिजिटाईज, 51,629 Uncollectable। 3,73,545 मतदाताओं की मैपिंग हुई, 22,172 वल्लेंस्त्र्स्त्री रहे। 21-बरहीः कुल 3,41,962 मतदाता। इसमें 2,98,097 EFs डिजिटाईज, 43,865 Uncollectable। 3,27,559 मतदाताओं की मैपिंग हुई, 14,403 Unmapped रहे। - 24-मांडूः कुल 4,41,392 मतदाता। इसमें 3,60,816 EFs डिजिटाईज, 80,576 Unmapped। 4,15,495 मतदाताओं की मैपिंग हुई, 25,897 Unmapped रहे। - 25-हजारीबागः कुल 4,53,097 मतदाता। 3,49,026 EFs डिजिटाईज, 1,04,071 Unmapped। 4,24,466 मतदाताओं की मैपिंग हुई, 28,631 वल्लेंस्त्र्स्त्री रहे। अन मैप्ड को लेकर कार्यक्रम निर्धारित निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5 अगस्त 2026 को सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का प्ररूप प्रकाशन किया जाएगा। सभी आम नागरिक अपने मतदान केन्द्र पर जाकर प्ररूप मतदाता सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम जांचेंगे। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम छूट गया है तो फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को घोषणा पत्र के साथ जमा कर सकते हैं। यदि नाम दूसरे मतदान केन्द्र में चला गया है तो स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 जमा करना होगा। प्ररूप प्रकाशन के साथ ही 01.10.2026 की अर्हता तिथि के आधार पर दावा एवं आपत्ति से संबंधित आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू होगी। इसके लिए 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नागरिक फॉर्म-6, प्रविष्टियों में सुधार के लिए फॉर्म-8 और नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 बीएलओ या जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कर सकेंगे। दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान 8-9 अगस्त और 22-23 अगस्त 2026 को सभी मतदान केन्द्रों पर विशेष कैंप लगाए जाएंगे। 15 अगस्त को सभी पंचायत भवनों में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। मतदाताओं का नाम सही केन्द्र में शामिल करने के लिए 25 अगस्त से 4 सितंबर तक Home-to-Roll Verification भी होगा। प्राप्त दावा-आपत्ति का निस्तार 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। पुनरीक्षण "कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं एवं कोई अयोग्य मतदाता जुड़े नहीं" की थीम पर किया जा रहा है। जिन मतदाताओं का 2003 की सूची से मैपिंग नहीं हुआ है, उन्हें नोटिस अवधि में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 11 प्रकार के दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना होगा। मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण कार्य भी पूरा हो गया है। जिले में मतदान केन्द्रों की संख्या 1866 से बढ़कर 1968 हो गई है। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए समाहरणालय परिसर के भू-तल में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है।

एक नजर

बीडीओ ने आंगो पंचायत में पीएम आवास व अबुआ आवास का किया निरीक्षण

बड़कागांव : प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत आंगों में प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार मंडल के द्वारा पीएम आवास व अबुआ आवास का निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने आवास निरीक्षण के दौरान संबंधित लाभुकों से जल्द से जल्द आवास का निर्माण कार्य पूर्ण करने को कहा। निरीक्षण कार्य में मुख्य रूप से बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, मनरेगा बीपीओ हीरो महतो, आवास कोर्डिनेटर विकास कुमार, आंगो पंचायत सचिव चाणक्य कुमार, पंचायत सहायक बिरेन्द्र कुमार महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

चतरा मोड़ पर तेज रफ्तार ट्रेलर पलटा चालक-उपचालक गंभीर रूप से घायल

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चतरा मोड़ एक बार फिर सड़क हादसे का गवाह बना। मंगलवार को एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक और उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर तेज गति से चतरा मोड़ की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान चालक वाहन से संतुलन खो बैठा, जिससे ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायलों को क्षतिग्रस्त ट्रेलर से बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रेलर का ब्रेक फेल होने अथवा चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घायलों का बयान दर्ज होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रेलर को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

ग्रामीणों की सहभागिता से संपन्न हुआ वीएमसी चुनाव, नई समिति का हुआ गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : मंगलवार को प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नेवरी करमा में विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) का चुनाव शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। ग्रामीणों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा विद्यालय परिवार की सक्रिय भागीदारी के बीच संपन्न हुए चुनाव में नई समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। चुनाव सभा की अध्यक्षता चोवा यादव ने की। उनके नेतृत्व में पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। चुनाव के उपरांत उपेन्द्र यादव को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा पूजा कुमारी को उपाध्यक्ष सह संयोजिका चुना गया। समिति के सदस्य के रूप में भोला राणा एवं बिरजू प्रजापति का चयन किया गया। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी सीआरपी सुऐब अंसारी ने पर्यवेक्षक के रूप में की, जबकि विद्यालय के सचिव शैलेश कुमार वर्मा ने आवश्यक प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस अवसर पर शिक्षक राजेश कुमार मेहता, अनुज कुमार, संजय कुमार यादव, अजीत कुमार गुप्ता, वर्तमान अध्यक्ष संतोष यादव, वार्ड सदस्य गणेश यादव, रूबी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्रद्धा के साथ मनाई गई दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, तीन बार के मुख्यमंत्री और आदिवासी समाज के मसीहा 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि मंगलवार को चलकुशा प्रखंड में भावुक माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सलीम अंसारी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्पांजलि और फूल माला अर्पित कर की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन 'जल, जंगल, जमीन' की रक्षा और महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई में लगा दिया। पिता की हत्या के बाद उन्होंने कम उम्र में ही आदिवासियों को संगठित कर झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी। उनके संघर्ष की वजह से ही आज झारखंड अलग राज्य बन सका। सलीम अंसारी ने कहा कि दिशोम गुरु शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और आदर्श हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अमृता सिंह अंचल अधिकारी नवीन भूषण कुल्लू, अशोक दास, नारायण दास, मुखिया आलोक सिंह, मुखिया केदार यादव, दशरथ यादव एवं झामुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पेटो पंचायत के विभिन्न गांव में सड़क जाम, धूल और बदहाल सड़क से परेशान ग्रामीणों ने डीसी से लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड अंतर्गत पेटो पंचायत के बुकरू मोड़ एवं तीन मुहान फोर लेन से पेटो भदाई खाप 2.2 बाईपास सड़क तक भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो गया है। इस मार्ग से एनटीपीसी, सीसीएल की चंद्रगुप्त परियोजना, चतरा जिले के टंडवा प्रखंड स्थित मगध, अम्रपाली, पिपरवार कोल परियोजनाओं तथा एनटीपीसी टंडवा थर्मल पावर प्लांट की फ्लाई ऐश का 24 घंटे परिवहन होता है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के कारण इस सड़क पर दिन-रात जाम की स्थिति बनी रहती है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिनमें अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। जाम के कारण एंबुलेंस घंटों फंसी रहती है, जिससे गर्भवती महिलाओं, मरीजों, राहगीरों तथा स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लोडेड हाईवा वाहनों के लगातार परिचालन से सड़क पर धूल-गर्द का प्रदूषण बढ़ गया है, जिससे लोगों में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पेटो पंचायत की मुखिया कौशल्या देवी एवं उनके पति समाजसेवी गुरुदयाल साव ने हजारीबाग उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर सड़क की मरम्मत, जाम की समस्या के स्थायी समाधान तथा धूल प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। इस रोड में कॉल खनन परियोजना में पेटो पंचायत के कई गांव शामिल है कॉल खनन परियोजना के उच्च पदाधिकारी के मिली भगत से ग्रामीणों का समस्या भारी पड़ चुका है क्योंकि गांव के दलालों एवं एनटीपीसी ,सीसीएल के उच्च पदाधिकारी से पहले ही मिली भगत करके रोड का संचालक हो रहा है और रोड को मरूमती करने से वंचित दलालों का शामिल होने से ग्रामीण चलने वाला रोड बर्बाद हो रहा है।

आर.एस. इवनिंग डिग्री कॉलेज में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : आर.एस. इवनिंग डिग्री कॉलेज, बड़कागांव में झारखंड आंदोलन के महानायक एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा नेता सोनू इराकी ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोनू इराकी ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा झारखंड के आदिवासी, मूलवासी और शोषित-पीड़ित लोगों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने झारखंड सरकार एवं हजारीबाग जिला प्रशासन से मांग की कि बड़कागांव में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि उनके संघर्ष, त्याग और विचारों से युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके। कॉलेज के संस्थापक रामसेवक ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया और उनके आंदोलन जल जंगल जमीन को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मौके पर बड़कागांव प्लस टू हाई स्कूल के पूर्व अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह, पप्पू कुमार सिंह, रोहित कुमार दास, विकास कुमार मेहरा, साहिल कुमार, जोहान मांझी, रवि कुमार नायक, शिखा नायक, साक्षी नायक, ललिता मांझी, बहमनी मांझी, संजना कुमारी सहितअन्य उपस्थित थे।

बरही चौक पर श्रद्धा से मनाई गई दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि

डीसी, एसपी, डीडीसी सहित प्रशासनिक अधिकारी और आम जनता हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही पद्म विभूषण से सम्मानित एवं झारखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता स्व. दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्य तिथि मंगलवार को बरही चौक पर सरकारी कार्यक्रम के तहत श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, इंस्पेक्टर विनोद कुमार, बीडीओ जयपाल महतो, सीओ चंद्रशेखर कुणाल सहित जिले के वरीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं झामुमो नेता संजीव बेदिया, प्रखंड अध्यक्ष देवानंद कुमार, बिनोद विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में आम जनता और पार्टी कार्यकर्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत शिबू सोरेन की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। डीसी हेमंत सती ने कहा - ₹दिशोम गुरु शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड के आदिवासी, दलित और गरीबों की आवाज थे। उन्होंने जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके संघर्ष और त्याग की वजह से ही आज हमें अलग झारखंड राज्य मिला। उनका सादगी भरा जीवन और जनता से सीधा संवाद आज भी हम सभी अधिकारियों के लिए प्रेरणा है। प्रशासन को उनके आदर्शों पर चलकर अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का काम करना चाहिए। एसपी अमन कुमार ने कहा - ₹शिबू सोरेन जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और ईमानदारी का प्रतीक था। उन्होंने आंदोलन के दिनों में भी कभी हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया, बल्कि संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखकर लड़ाई लड़ी। एक कुशल जननेता के रूप में उन्होंने हमेशा कमजोर और वंचित वर्ग के हक की बात की। आज हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलकर राज्य में शांति, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लेना है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

चलकुशा में हाथियों का कहर, बीती रात एक घर ध्वस्त, पीड़ित परिवार ने की मुआवजे की मांग

चलकुशा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पनदना में बीती रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने गांव में घुसकर एक मकान को ध्वस्त कर दिया। गनीमत रही कि हादसे के समय घर के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। स्थानीय लोगों के अनुसार रात करीब 10 बजे हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर गांव के इलाके में आ गया। शोर सुनकर ग्रामीण जागे और भगदड़ मच गई। इसी दौरान एक परिवार का कच्चा-मकान हाथियों की चपेट में आ गया और दीवारें गिर गईं। घर में रखा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर वन विभाग की टीम और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। पीड़ित परिवार ने सरकार से तत्काल राहत और उचित मुआवजे की मांग की है। वहीं प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी घटना स्थल पर पहुंच कर कहा है कि जल्द इन्हें आवास दिया जाएगा और तत्काल सहायता के रूप चावल दिया जाएगा` परिवार का कहना है कि ₹हमारा सब कुछ उजड़ गया है, रहने की जगह नहीं बची। सरकार मदद करे।₹ग्रामीणों ने इलाके में लगातार बढ़ रही हाथी-मानव संघर्ष की घटनाओं पर चिंता जताई और रात में गश्त बढ़ाने व स्थायी समाधान की मांग की। वन विभाग ने लोगों से रात में सतर्क रहने और अकेले जंगल की ओर न जाने की अपील की है।

लिफ्ट इरिगेशन से लहलहाएंगी 110 एकड़ में फसलें 500 किसानों को मिलेंगी सिंचाई की व्यवस्था

पदमा/हजारीबाग : पदमा प्रखंड क्षेत्र में किसानों की सिंचाई समस्या का स्थायी समाधान निकालने और उन्हें स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से कुटीपीसी पंचायत के तरिया डूबा नदी पर एक महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजना प्रस्तावित की गई है। इस परियोजना के तहत लिफ्ट इरिगेशन (उद्वह सिंचाई) तकनीक के माध्यम से आसपास के खेतों तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था की जाएगी।इस परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 110 एकड़ कृषि भूमि में व्यवस्थित और आधुनिक तरीके से खेती संभव हो सकेगी। इससे क्षेत्र के लगभग 500 किसानों को सीधा लाभ पहुँचेगा। तरिया डूबा नदी से पानी मिलने पर किसान वर्षभर विविध प्रकार की फसलों का उत्पादन कर सकेंगे, जिससे न केवल क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ेगा बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा।परियोजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए 'प्रयास भारत संस्था' की टीम ने सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता श्रीमान प्रभाकर से मुलाकात की। बैठक के दौरान परियोजना की डीपीआर को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और तकनीकी पहलुओं व क्रियान्वयन की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।इस महत्वपूर्ण बैठक और चर्चा के दौरान ग्राम कुटीपीसी पंचायत के सरपंच कामेश्वर मेहता जी, प्रयास भारत संस्था के अध्यक्ष कुलदीप मेहता , कोषाध्यक्ष छोटेलाल मेहता तथा ट्रस्टी सदस्य बिरजू मेहता, रामलखन मेहता , संतोष यादव , अनुज मेहता उपस्थित रहे।

बेहतर करने वाली झांकी को किया जाएगा सम्मानित ग्राम युवा संगठन कांडतरी का पुनर्गठन

बड़कागांव : ग्राम युवा संगठन कांडतरी की बैठक की गई। बैठक में रजरप्पा से महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव में जलाभिषेक के लिए पैदल पद यात्रा कर रहे सर्वश्रेष्ठ पांच कांवरिया जत्थों को उनके झांकी और कला प्रदर्शन को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए ग्राम युवा संगठन का पुनर्गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष चितरंजन कुमार, सचिव सुबेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष धर्मनाथ कुमार, उपाध्यक्ष बबलू कुमार मौर्य, उप सचिव विकास राम, मुख्य संरक्षक बचनदेव कुमार, मुख्य सहयोगी- प्रभाकर कुमार निराला, लक्ष्मण कुमार, रविकांत कुमार, रंजन कुमार, बसंत बहार,सुनिल कुमार, अभिषेक कुमार, रितेश रंजन, अजित कुमार, प्रकार ठाकुर, पप्पु मेहता, दिपेश कुमार, प्रवीण राम आदि का चयन किया गया। मुख्य संरक्षक सह उप प्रमुख वचनदेव कुमार और अध्यक्ष चितरंजन कुमार ने बताया कि श्रावण के अंतिम सोमवारी को सुबह से ही प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही, झांकी में शामिल कांवरिया जत्थों के द्वारा ताशा पार्टी, साउंड सिस्टम, अनुशासन एवं कला प्रदर्शन करने वाले क्लब को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि ग्राम युवा संगठन कांडतरी के द्वारा हर साल बड़ा ही धूम धाम तरीके से शिव भक्तों का स्वागत एवं मनोबल को बढ़ाया जाता है। उनके लिए खीर, फल एवं गुड़ - चने का प्रबंध किया जाता है।

खेरौन विद्यालय में 12 छात्र-छात्राओं के बीच नि:शुल्क साइकिल का वितरण

बरही : प्रखंड अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, खेरौन में मंगलवार को शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा आठ के 12 छात्र-छात्राओं के बीच निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल वितरण का उद्देश्य दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय आने-जाने की कठिनाइयों को कम करना तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केदारूत पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विश्वेश्वर यादव, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सदानंद प्रसाद यादव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास सहित शिक्षक संजय सिंह, संजीत कुमार रवि, अरुण कुमार दास, ओम प्रकाश, बहादुर मिस्त्री एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वेश्वर यादव ने कहा कि साइकिल मिलने से दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों की आवागमन संबंधी परेशानियां दूर होंगी। अब वे नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई कर सकेंगे और अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे। विद्यालय में जिन विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की गई, उनमें सूरज कुमार, शिवराज कुमार, सत्यम कुमार, पीयूष कुमार, सीमा कुमारी, आर्या रानी कुमारी, प्रिया कुमारी, सोनाली कुमारी, प्रिया कुमारी, अनिकेत कुमार, सचिन कुमार एवं लक्ष्मी कुमारी शामिल हैं।

एक नजर

रांची में अज्ञात युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

रांची : रांची जिले के राहे थाना क्षेत्र के पारमडीह टुंगरीटोला गांव के समीप मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जारागोड़ा क्षेत्र की एक चट्टान पर मिले शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक के गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका के आधार पर मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने चट्टान पर युवक का शव पड़ा देखा, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही राहे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। साथ ही मृतक की पहचान के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक के दाहिने हाथ पर 'केएम' लिखा हुआ है, जिसे पहचान का महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

कांग्रेस के शो कॉज नोटिस पर केएन त्रिपाठी ने दिया जवाब

रांची : कांग्रेस के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने पार्टी की ओर से जारी शो कॉज नोटिस का जवाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को सीलबंद लिफाफे में सौंप दिया है। उन्होंने 28 पन्नों में अपना पक्ष रखा है। केएन त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा था। उन्होंने तय समय के अंदर अपना जवाब सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि वह भारतीय वायुसेना (एयरफोर्स) से जुड़े रहे हैं, इसलिए अनुशासन तोड़ना उनकी आदत नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं और हमेशा पार्टी के अनुशासन का पालन किया है। अब पार्टी नेतृत्व उनके जवाब पर विचार करेगा और आगे क्या फैसला लिया जाएगा, इस पर सभी की नजर रहेगी।

स्वास्थ्य कर्मी रमन कुमार के तबादले पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के कर्मी रमन कुमार के 31 जुलाई 2026 के तबादला आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। उक्त तबादला आदेश निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं की ओर से जारी किया गया है। जिसमें रमन कुमार को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (एसीएमओ) कार्यालय हजारीबाग से जामताड़ा सिविल सर्जन कार्यालय में तबादला किया गया था। वे प्रधान लिपिक पद पर कार्य कर रहे हैं। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमरेंद्र प्रधान ने कोर्ट को बताया कि रमन कुमार के पहले तबादला (4 जुलाई 2026) आदेश को पहले ही झारखंड हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी और वह मामला अभी न्यायालय में लंबित है। 4 जुलाई 2026 को उनका तबादला सिविल सर्जन कार्यालय हजारीबाग से एसीएमओ कार्यालय हजारीबाग में किया गया था। जहां उन्होंने अपना कार्यभार भी ले लिया था। इसी बीच दुर्भावना से प्रेरित होकर 31 जुलाई 2026 को उनका जामताड़ा का एक नया तबादला आदेश जारी कर दिया गया। तबादला आदेश में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु के सपनों का झारखंड बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : हेमन्त सोरेन

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को पद्म भूषण से सम्मानित झारखंड आंदोलन के महानायक एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर मोरहाबादी स्थित उनके आवास पहुंचकर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिवंगत दिशोम गुरु की धर्मपत्नी रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्षपूर्ण जीवन, योगदान तथा आदर्शों को याद किया।

मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु ने अपना पूरा जीवन झारखंड और यहां के लोगों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि आज उन्हें राज्य के हर कोने में श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है, जहां के लोगों ने हमेशा अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। इस संघर्ष में अनेक वीर सपूतों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिन्हें राज्य हमेशा श्रद्धापूर्वक नमन करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा (शिबू सोरेन) आज भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संघर्ष, विचार और योगदान सदैव अमर रहेगा। उन्होंने अपना जीवन झारखंड के मूलवासियों, आदिवासियों, वंचितों और शोषितों के अधिकारों की रक्षा तथा उनके उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके सपनों को साकार करना और उनके आदर्शों के अनुरूप राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। हेमंत सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु का संघर्ष, त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बना रहेगा। झारखंड की पहचान, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा में उनका योगदान अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु ने जिस समतामूलक, न्यायपूर्ण और समृद्ध झारखंड की परिकल्पना की थी, उसे साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने झारखंड आंदोलन के सभी वीर शहीदों को भी श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

निगम की कार्रवाई के बाद आदिवासियों का छलका दर्द

रांची : नगर निगम अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बसे लोगों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को खादगढ़ा बस स्टैंड के सामने चुनुवा टोली में कई लोगों के घर जेसीबी से तोड़ दिया गया। इस मौके पर आधा दर्जन से अधिक लोग बेघर हो गए। घर को टूटते देख लोगों के आंखों में दर्द स्पष्ट रूप से देखा जा रहा था। लोगों ने बताया कि 40-50 वर्षों की गाढ़ी कमाई की सारी पूंजी घर बनाने में लगा दी। नगर निगम गरीब देखकर घर उजाड़ने पहुंच गया। ऐसा हालात में न वार्ड पार्षद और न ही महापौर का सहयोग मिल रहा है, अपनी ही राजधानी में पराए बन गए। इसी घर से कई लोगों का शादी हुआ और कई बेटियां बहु बनकर चली गई, घर में नगर निगम का बिजली कनेक्शन, राशन कार्ड समेत अन्य जरुरी दस्तावेज होने के बाद भी एस्बेस्टस घरों को तोड़ दिया गया।

नेवरी रिंग रोड का गोलचक्कर होगा 'दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक', 14 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची की ओर से मंगलवार को झारखंड राज्य के निमार्ता एवं पद्मभूषण से सम्मानित स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर नेवरी रिंग रोड स्थित चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

कार्यक्रम में घोषणा की गई कि नेवरी रिंग रोड स्थित गोलचक्कर का नाम अब 'दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक' होगा। साथ ही यहां दिशोम गुरु की 14 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित कर चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय, केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य तथा राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

विनोद कुमार पांडेय ने इस मौके पर कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और पहचान के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती के अवसर पर प्रस्तावित प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और योगदान से प्रेरणा ले सकें।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दिशोम गुरु का संघर्ष, त्याग और सम्मान की लड़ाई झारखंड की पहचान का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि उनके विचार और संघर्ष नई पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों के बीच साड़ी और लूंगी का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में अंतु तिर्की, महावीर विश्वकर्मा, कलाम आजाद, कुदूस अंसारी, मंटू लाला, आदिल इमाम, विलियम रिचर्ड लकड़ा, तालकेश्वर महतो, कांके प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिर्की, ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर महतो, नरेश यादव, बुंडू प्रखंड अध्यक्ष कोलेश्वर मुंडा, नामकुम प्रखंड अध्यक्ष चामू बेक सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

झारखंड में आठ अगस्त तक भारी बारिश के आसार, किसानों में बढ़ी उम्मीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में इस सप्ताह अच्छी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 8 अगस्त तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान से किसानों में उत्साह है, क्योंकि पर्याप्त वर्षा से धान की रोपाई में तेजी आने की उम्मीद है।

जुलाई में हुई अच्छी बारिश के कारण अधिकांश किसानों ने धान के बिचड़े तैयार कर लिए हैं। अब पर्याप्त वर्षा होने पर रोपाई का कार्य तेजी से शुरू होने की संभावना है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो अगस्त के अंत तक राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में धान की रोपाई पूरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 8 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इस दौरान गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सर्वाधिक 175.2 मिलीमीटर वर्षा गोड्डा में दर्ज की गई। वहीं, सबसे अधिक तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया।

मंगलवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से काले बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान 95 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता दर्ज की गई, जिससे मौसम काफी असहज बना रहा।

डूरंड कप : जमशेदपुर एफसी ने 21वें मिनट में किया पहला गोल, दिल्ली एससी पर 1-0 की बढ़त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंगलवार को मोरहाबादी मैदान के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में चल रहा डुरंड कप शाम 5 बजे शुरू हुआ। मुकाबले में जमशेदपुर एफसी ने आक्रामक शुरूआत की। मैच के 4.59वें मिनट में टीम ने शानदार मूव बनाते हुए गेंद को दिल्ली एससी के गोलपोस्ट तक पहुंचाया, लेकिन गोलकीपर ने बेहतरीन बचाव करते हुए गेंद को लपक लिया।

इसके बाद 7.15वें मिनट में जमशेदपुर एफसी ने एक बार फिर गोल करने का प्रयास किया और गेंद को गोलपोस्ट तक पहुंचाया, लेकिन इस बार भी सफलता नहीं मिली।

मैच के 8.20वें मिनट में दिल्ली एससी ने पलटवार करते हुए जमशेदपुर एफसी के गोलपोस्ट की ओर हमला बोला, हालांकि वह बढ़त हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद 21वें मिनट में जमशेदपुर एफसी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहला गोल दाग दिया। इस गोल के साथ टीम ने दिल्ली एससी पर 1-0 की बढ़त बना ली।

गुरु रविदास जयंती पर भाजपा ने शुरू किया समरसता संकल्प अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को रांची के डिबडीह स्थित कार्निवल बैंक्वेट हॉल में प्रदेश स्तरीय समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत गुरु रविदास की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी से भरे कलश भाजपा के सभी 30 संगठनात्मक जिलों के प्रतिनिधियों को सौंपे गए। इसके बाद सुसज्जित रथ को रवाना किया गया, जो विभिन्न जिलों, मंडलों, शक्ति केंद्रों और गांवों तक पहुंचेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ संत गुरु रविदास के चित्र के समक्ष धार्मिक गुरुओं द्वारा मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास ने की, जबकि मंच संचालन प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने किया। दूसरे चरण के इस अभियान में किशुन दास ने स्वागत भाषण देते हुए इसके उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि जाति, भाषा और धर्म के आधार पर समाज को बांटने की कोशिशों के विरुद्ध सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा उन सभी महापुरुषों का सम्मान करती है, जिन्होंने धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और राष्ट्रीय जीवन में योगदान देकर देश की संस्कृति और संस्कारों को समृद्ध किया। इसी सोच के तहत भगवान बिरसा मुंडा, अहिल्याबाई होल्कर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और गुरु गोविंद सिंह सहित अनेक महान विभूतियों की जयंती को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान से परिचित हो सके। गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संत गुरु रविदास के समता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का यह अभियान प्रेरणादायी है। इसका उद्देश्य गांव-गांव तक सामाजिक समानता, समरसता और जनजागरण का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ बिना किसी भेदभाव के 81 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता का अभियान है। संत रविदास के विचारों पर चलकर ही समरसतापूर्ण, शक्तिशाली और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें नई पीढ़ी को दिग्भ्रमित कर समाज और देश को बांटने का प्रयास कर रही हैं, जबकि संत रविदास की वाणी समाज को जोड़ने का संदेश देती है।

दुष्यंत कुमार गौतम ने संत रविदास के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया। उनका मानना था कि व्यक्ति की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से होती है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संत रविदास अपने सिद्धांतों और आस्था पर अडिग रहे। गौतम ने कहा कि संविधान में जिस सामाजिक समरसता की भावना को स्थान मिला है, उसका संदेश संत रविदास सदियों पहले ही समाज को दे चुके थे।

संक्षिप्त खबरें

भर्ती माफियाओं पर सीआईडी की कार्रवाई का कांग्रेस ने किया स्वागत

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने जेपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच में सीआईडी की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस-जेएमएम गठबंधन सरकार भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के प्रति "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों से संवाद और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार पारदर्शी भर्ती, निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। नायक ने भाजपा पर भर्ती मामलों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा पहले अपने शासनकाल के भर्ती विवादों का जवाब दे। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा पारदर्शिता की पक्षधर है तो उसे अपने कार्यकाल की भर्ती प्रक्रियाओं की भी निष्पक्ष जांच का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भर्ती माफिया, दलाल और परीक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

215वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 215 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई एवं आशा मोदी ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। आशा मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुन: श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की गई। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़ियां एवं कृष्णा अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, हिमांशु कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों ने मचाया उत्पात, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े

रांची : राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित निजाम नगर में सोमवार देर रात असामाजिक तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया। यहां मोती मस्जिद रोड और मक्का मस्जिद रोड पर सड़क किनारे खड़ी 6 से अधिक गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने देर रात कई वाहनों को निशाना बनाया। क्षतिग्रस्त वाहनों में हुंडई वरना, टाटा नेक्सॉन, स्कॉर्पियो और सूमो सहित अन्य गाड़ियां शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। तोड़फोड़ की इस घटना में एक डीएसपी स्तर के अधिकारी का वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। मंगलवार सुबह जब वाहन मालिकों ने अपनी गाड़ियों के शीशे टूटे हुए देखे तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि तोड़फोड़ करने वाले आरोपितों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

जेसी प्रशांत पाटोदिया चुने गए जेसीआई एक्सपो उत्सव के चीफ कोऑर्डिनेटर

रांची : जेसीआई एक्सपो उत्सव जिसे रांची का त्योहार भी कहा जाता है विगत पिछले 28 वर्षों से झारखंड का सबसे बड़ा कंज्यूमर फेस्ट माना गया है। मोरहाबादी मैदान में लगने वाला 7 दिनों का ये एक्सपो, जहां आप कपड़े, इलेक्ट्रोनिकस, कंप्यूटर, फ्लैट, घर से जुड़ी हर जरूरत की वस्तु, नई गाड़ियां एवं फर्नीचर इत्यादि खरीद सकते है, 5 लाख से ज्यादा लोगों को आकर्षित करता है इस बार अक्टूबर के महीने में लगने जा रहा है। इस साल जेसीआई एक्सपो उत्सव के चीफ कोऑर्डिनेटर के तौर पर जेसी प्रशांत पाटोदिया को चयनित किया गया है। जेसी प्रशांत पाटोदिया विगत 17 वर्षों से जेसीआई एक्सपो उत्सव में अपनी सहभागिता दे रहे है। पेशे से जेसी प्रशांत पाटोदिया चार्टर्ड अकाउंटेंट है। वे 17 सालों से जेसीआई रांची के मेंबर है। सह संचालक के रूप मैं जेसी राहुल टिबरेवाल, जेसी सौरभ जालान, जेसी सौरव नरेडी एवं कोषाध्य जेसी सीए दीपक पटेल है। यह जानकारी जेसीआई रांची के प्रवक्ता जेसी रवि कांत समोटा ने दिया है।

नीट-यूजी 2026 : ओएमआर शीट पेश होने के बाद लक्ष्य सिंह ने वापस ली याचिका, हाई कोर्ट ने किया खारिज

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा में अंक संबंधी विसंगति को लेकर दायर लक्ष्य सिंह की याचिका का निस्तारण कर दिया। न्यायालय के निर्देश पर एनटीए ने संबंधित अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष प्रस्तुत की। इसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से याचिका वापस लेने का आग्रह किए जाने पर अदालत ने इसे खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने एनटीए से पूछा था कि यदि अभ्यर्थी लक्ष्य सिंह की वेबसाइट पर अपलोड की गई ओएमआर शीट के आधार पर 660 अंक बन रहे हैं, तो घोषित परिणाम में उसे केवल 116 अंक कैसे मिले। इसके बाद अदालत ने एनटीए को संबंधित अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही टेस्ट बुकलेट (सीरियल नंबर-265208914) और रोल नंबर-2603107066 से संबंधित मूल रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया था कि एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध ओएमआर शीट का स्कैन करने पर अभ्यर्थी के 720 में से 660 अंक बन रहे थे, जबकि जारी परिणाम में उसे केवल 116 अंक दिए गए। इसी आधार पर मूल ओएमआर शीट तलब करने का अनुरोध किया गया था, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। उल्लेखनीय है कि लक्ष्य सिंह ने नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा में कम अंक दिए जाने को चुनौती देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि, एनटीए द्वारा मूल ओएमआर शीट प्रस्तुत किए जाने के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस लेने का आग्रह किया, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

एक नजर

महिला से बैग छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा सदर थाना क्षेत्र में महिला से बैग छीनने की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त स्कूटी के साथ-साथ पीड़िता का पूरा सामान भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टुडी ने बताया कि 2 अगस्त को बड़ी बाजार हिन्दू चौक स्थित कुम्हार टोली निवासी रितु टोप्पो ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि स्कूटी पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया था। बैग में मोबाइल फोन, नकद राशि और अन्य आवश्यक सामान रखा हुआ था। शिकायत के आधार पर सदर थाना कांड संख्या 74/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 अगस्त को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कनकौसी उरांव साई निवासी 24 वर्षीय जितेन्द्र कच्छप उर्फ बच्चा उरांव तथा कुर्सी निवासी 23 वर्षीय पुरुषोत्तम हॉसदा उर्फ डाकुआ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त नीले रंग की स्कूटी (जेएच-05डीटी-3466), रेडमी नोट-8 मोबाइल फोन, 500 रुपये नकद, काला लेडीज बैग, पावर चश्मा तथा लाल रंग का छोटा लेडीज पर्स बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता से छीना गया पूरा सामान बरामद कर लिया गया है। इस कार्रवाई में सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक हीरालाल महतो के नेतृत्व में उप निरीक्षक उपेन्द्र नारायण सिंह, केशव कुमार मेहता, श्रीकांत कुमार, अजीत होनहागा तथा सहायक अवर निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य जवान शामिल रहे।

शिबू सोरेन सेवा दिवस पर एसजीवीएस ने लगाया नि:शुल्क मोतियाबिंद शिविर

खूंटी : पद्मभूषण दिशोम गुरु सेवा दिवस के अवसर पर मंगलवार को सर्वांगीण ग्राम विकास संस्था (एसजीवीएस), की ओर से निशुल्क मोतियाबिंद जांच और उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों की आंखों की जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर देश के वरिष्ठ स्वयंसेवक और पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा ने श्रद्धांजलि संदेश जारी करते हुए सेवा को राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सेवा दर्शन नि:स्वार्थ सेवा, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के सिद्धांतों पर आधारित है। सेवा का उद्देश्य किसी प्रकार का प्रतिफल प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुंचाना है।
उन्होंने कहा कि संघ सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने, शिक्षा के प्रसार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और पंच प्रण के पालन को अपने सेवा कार्यों का आधार मानता है। उनके अनुसार जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में जोड़ना ही सच्ची सेवा है। अपने संदेश में कड़िया मुंडा ने कहा कि जो कार्य देश के लिए हो, वही अनुकरणीय है। सेवा शर्तों से परे है और हमारा सिद्धांत है कि सेवा के बदले कुछ नहीं है। एसजीवीएस के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था पिछले लगभग 40 वर्षों से झारखंड के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

कोडरमा में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि, संघर्षमय जीवन को किया याद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड के निमार्ता पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु पद्म भूषण शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि व श्रद्धांजलि सभा झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति कोडरमा के तत्वाधान में मंगलवार को समय 11:00 बजे जिले के लख्खीबागी स्थित सरना स्थल में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय के अध्यक्षता में आयोजित की गई। सबसे पहले दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु पद्म भूषण शिबू सोरेन के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्प अर्पित कर पाटी के नेता व कार्यकताओं उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि यह झारखंड हमें ऐसे ही नहीं मिला इसके लिए यहां के वीर शहीदों ने अपना बलिदान दिया है। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 ई. को वर्तमान रामगढ़ जिले के नेमरा में हुआ था। शिबू सोरेन के पिता सोबरन मांझी की हत्या महाजनों व सूदखोरों के द्वारा कर दी गई थी उसी समय समय उनके मन में अन्याय के खिलाफ एक विद्रोह ने जन्म दिया था उन्होंने लगातार सूदखोरों व महाजनों के खिलाफ खुलकर विद्रोह किया था। झारखंड का सपना शिबू सोरेन बहुत पहले ही देख चुके थे। वर्ष 1972 ई. में उन्होंने अलग झारखंड राज्य का मांग केंद्र से किया था। वर्ष 1980 ई. दुमका लोक सभा क्षेत्र से वह पहली बार सांसद बनकर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने लोकसभा पहुंचे थे। उन्होंने वर्ष 2005, 2008, 2009 तथा 2010 ई. झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। इस राज्य के लिए लगातार उन्होंने संघर्ष किया जिसका परिणाम है कि यह झारखंड हमें मिला है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है, शब्द कम पड़ जाएंगे लेकिन उनकी संघर्ष की कहानी काम नहीं पड़ेगी। वही पुण्यतिथि व श्रद्धांजलि सभा का संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने किया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य इस्लाम अंसारी, रामेश्वर मुर्मू, संजय पाण्डेय, तारिणी प्रसाद, कोडरमा विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी शालिनी गुप्ता, रविंद्र शांडिल्य, पूर्व जिला अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, बाल गोविंद मोदी, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, मोहम्मद खलील, संगठन सचिव मो. कुद्दुस, सुधाकर यादव, मो.सद्दाम, छोटू यादव, बुद्धिजीवी मोर्चा जिला सचिव दीपक चंद्रवंशी, मो. शाकीर, कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, सचिव उमेश यादव, गणेश राय, दिवाकर तिवारी, मो.जावेद, विश्वनाथ राय, कामेश्वर भारती, प्रदीप चौधरी, धीरज कुमार बाला, लखनदार पासवान, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ओणम प्रिया, विवेक गुप्ता, मनोज यादव, संतोष यादव इत्यादि समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

10 अगस्त को निकलेगी कांवड़ पदयात्रा तैयारियों को लेकर जोगीं में बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : श्रावण मास की द्वितीय सोमवारी 10 अगस्त को आयोजित होने वाली कांवड़ पदयात्रा की तैयारियों को लेकर अरागरों पंचायत के जोगीं गांव में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया मुंशी यादव ने की, जबकि संचालन पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कांवड़ यात्रा गौरी नदी, उतरवानी से पवित्र जल लेकर शुरू होगी। यात्रा डिग्री कॉलेज होते हुए दो मोहनी धाम बैकुंठ मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। यात्रा को सफल बनाने के लिए 31 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति में चंदवारा प्रखंड प्रमुख मंजू देवी, योगाचार्य सुषमा सुमन, पूर्व प्रमुख लीलावती देवी, मुखिया पुष्पा देवी, कोमल देवी, प्रदीप कुमार सुमन, पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव, मुंशी यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं युवा शामिल किए गए। बैठक में यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, शरबत, प्रसाद, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। आयोजकों ने बताया कि श्रद्धालुओं के मनोरंजन और धार्मिक माहौल के लिए भक्ति गायकों, झांकियों, डीजे साउंड सिस्टम की व्यवस्था रहेगी। वहीं जगह-जगह पानी, शरबत और खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। मेडिकल टीम भी यात्रा के साथ रहेगी तथा जिला प्रशासन का सहयोग प्राप्त होगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जयनगर में बीएलओ को मिला प्रशिक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत मंगलवार को जयनगर प्रखंड सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रखंड के सभी बूथ लेवल ऑफिसर (इछड), इछड पर्यवेक्षक, कनीय अभियंता समेत निर्वाचन कार्य से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों को दावा-आपत्ति और नोटिस एवं सत्यापन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी गौतम कुमार, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सारांश जैन, प्रेम कुमार एवं अखिलेश कुमार ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी इछड अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर सत्यापन करें तथा पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, त्रुटियों का सुधार कराने और अपात्र नाम हटाने की प्रक्रिया समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूरी करें। प्रखंड प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक चलने वाली दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान यदि किसी योग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है या नाम, पता, आयु अथवा अन्य विवरण में त्रुटि है, तो संबंधित इछड या निर्वाचन कार्यालय में आवेदन अवश्य दें। वहीं 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले घर-घर सत्यापन अभियान में भी सहयोग करने की अपील की गई है, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और अद्यतन तैयार की जा सके।

विधायक ने पीसीसी पथ निर्माण एवं मरम्मतीकरण कार्य का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-5 स्थित बुंदेलनगर में विकास कार्यों को नई गति देते हुए हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को ठल्र-33 मुख्य सड़क से मंदिर तक पीसीसी पथ निर्माण एवं मरम्मतीकरण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। शिलान्यास के साथ ही क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की थी, जिसे अब धरातल पर उतारा जा रहा है। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की नींव मजबूत आधारभूत संरचना पर टिकी होती है। अच्छी सड़कें, सुदृढ़ नालियां, स्वच्छ वातावरण और बेहतर नागरिक सुविधाएं न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाती हैं, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि बुंदेलनगर में बनने वाली यह पीसीसी सड़क स्थानीय लोगों के लिए राहत साबित होगी। वर्षों से जर्जर सड़क के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। सड़क निर्माण के बाद विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों, व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि उनकी प्राथमिकता राजनीति नहीं, बल्कि विकास है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव, मोहल्ले और वार्ड तक विकास की योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं। सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

पॉक्सो मामले में दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी थाना पुलिस ने पॉक्सो एवं भारतीय न्याय संहिता के गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कटकमसांडी थाना कांड संख्या 123/26, दिनांक 03 अगस्त 2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) बीएनएस एवं पॉक्सो अधिनियम की धारा 06 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कटकमसांडी थाना पुलिस ने तत्काल अनुसंधान प्रारंभ किया। अनुसंधान के क्रम में तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने नामजद अभियुक्त रोशन एक्का एवं आयुष त्रिकी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्त ग्राम बारीकोला झोंझी, थाना कटकमसांडी, जिला हजारीबाग के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों से आवश्यक पूछताछ करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में पुलिस आगे भी अनुसंधान जारी रखे हुए है तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों से जुड़े अपराधों के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मारवाड़ी युवा मंच की बैठक संपन्न, अगस्त माह के सभी कार्यक्रम 80वें स्वतंत्रता दिवस को किए जाएंगे समर्पित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया की मासिक बैठक श्री अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने की। तथा संचालन अतुल खेतान ने किया।बैठक में कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ने आय-व्यय प्रस्तुत किया।बैठक में अगस्त माह के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सेवा, सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव रखे, जिन पर सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए अगस्त माह के सभी कार्यक्रमों को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस को समर्पित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सबसे पहले गौ सेवा अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने पर चर्चा हुई। इसे मंच का प्रमुख सेवा अभियान मानते हुए इसके लिए परियोजना निदेशकों को जल्द कार्ययोजना तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। सावन माह के अवसर पर मंच के सभी सदस्यों द्वारा ध्वजाधारी पहाड़ पर सामूहिक रूप से चढ़कर दर्शन-पूजन करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इसके साथ ही देवघर कांवड़ सेवा के अंतर्गत बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर कांवड़ियों की सेवा एवं श्रमदान करने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना बाबा भोलेनाथ की सेवा के समान है। बैठक में बच्चों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से बाल कांवड़ यात्रा आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके सफल आयोजन के लिए परियोजना निदेशकों की नियुक्ति कर विस्तृत रूपरेखा तैयार करने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को महा रक्तदान शिविर आयोजित करने पर सर्वसम्मति बनी। इस शिविर में कम से कम 100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। सामाजिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वॉकथॉन आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। वहीं मंच के राष्ट्रीय अभियान 'जन्मदाता वंदन' के तहत सभी सदस्यों से अपने-अपने घरों में माता-पिता सम्मान कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया गया। बैठक में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर संचालित अभियानों जैसे अमृत धारा, पर्यावरण संरक्षण, अंगदान एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण जैसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की गई। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए नए सदस्यों को जोड़ने एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने फरार आरोपी के घर इश्तिहार चिपकाया

बड़कागांव : फरार आरोपी के घर बड़कागांव पुलिस ने इश्तिहार चिपकाए ।मामले को लेकर बड़कागांव का थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि बड़कागांव थाना कांड संख्या- 60/24 एवं 65/24 में फिरार अभियुक्त गुड्डु गंझू उर्फ लंगड़ा पिता-सुखलाल गंझू , मुकेश गंझू पिता-रथों गंझू एवं तेली गंझू पिता स्वर्गीय नकल गंझू तीनों ग्राम देवगढ़ के घर पर एवं चौक-चौराहे पर माननीय न्यायालय से निर्गत इश्तिहार को विधिवत ढोल बजाकर सहज दृश्य स्थान पर चिपकाया गया ।इश्तिहार चिपकाने में मुख्य रूप से एएसआई राकेश खवास एवं बड़कागांव पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

चलकुशा के पंदनाटांड़ स्कूल में शिक्षक अनुपस्थित, खाने की गुणवत्ता भी खराब

चलकुशा : प्रखंड के पंदनाटांड़ में स्थित सरकारी विद्यालय की स्थिति बेहद बदहाल है। मंगलवार को प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी के औचक निरीक्षण में कई गंभीर खामियां सामने आई है। निरीक्षण के दौरान स्कूल में एक भी शिक्षक उपस्थित नहीं थे। जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित दिखी। सबसे बड़ी लापरवाही मध्याह्न भोजन में दिखी। बच्चों को परोसे जा रहे खाने में गुणवत्ता और साफ-सफाई दोनों की कमी थी। इस पर प्रमुख प्रतिनिधि ने नाराजगी जताते हुए कहा कि रसरकार की योजनाओं का मजाक उड़ाया जा रहा है। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दीपक चौधरी ने बीईईओ को दूरभाष के माध्यम से मामले की जानकारी दी और तुरंत कारवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि दोबारा लापरवाही मिली तो दोषी शिक्षकों और कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों ने निरीक्षण की सराहना की।

योग गुरु के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया जड़ी-बूटी दिवस, औषधीय पौधों के संरक्षण का लिया संकल्प

बरही : पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के तत्वावधान में आचार्य बालकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर मंगलवार को बरही प्रखंड में जड़ी-बूटी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। योग गुरु अनिल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में योग साधकों, पतंजलि परिवार के कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
कार्यक्रम का आयोजन बरही प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया। इसके बाद डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पार्क में औषधीय पौधों का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेद को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर योग गुरु अनिल कुमार मिश्रा ने औषधीय पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जड़ी-बूटियां भारतीय आयुर्वेद की अमूल्य धरोहर हैं। यदि लोग इन्हें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं तो अनेक बीमारियों से प्राकृतिक रूप से बचाव संभव है। उन्होंने बताया कि आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष पूरे देश में जड़ी-बूटी दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को औषधीय पौधों की पहचान, संरक्षण और आयुर्वेद के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने गिलोय, एलोवेरा (घृतकुमारी), तुलसी, सदाबहार, गुड़हल, कढ़ी पत्ता, नीम, हल्दी, अमरूद, पीपल, बरगद, अश्वगंधा एवं हरसिंगार सहित कई औषधीय पौधों के गुणों और स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी। योग गुरु ने कहा कि जड़ी-बूटियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी भारत की समृद्ध आयुर्वेदिक परंपरा से जुड़कर स्वस्थ और निरोग जीवन जी सकें। इस अवसर पर जिला सोशल मीडिया प्रभारी अनिल कुमार मिश्रा, सहयोग शिक्षक दीपक कुमार सोनी सहित दीपक कुमार गुप्ता, उमेश चंद्रवंशी, जे.एन. किशोर, नवीन चंद्रवंशी, भोला, सुशील कुमार, अरुण साव, संतोष पाल केसरी, बालेश्वर यादव, मनोज यादव, महावीर यादव, मनोज राणा, नारायण राम, मुहम्मद फरीद, लोकेश कुमार, रंजीत केसरी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं से ही पार्टी है मजबूत : डॉ. नीरा यादव

कोडरमा : कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के मंडल पदाधिकारियों एवं बूथ स्तर के कार्यकताओं के साथ बैठक कर विभिन्न मामलों पर चर्चा की। इस दौरान विधानसभा के विभिन्न बूथों से जुड़े बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनसे ही पार्टी मजबूत है। संगठन को मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्टी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सबके भाग लेने पर जोर दिया। बैठक में कार्यकताओं ने अपने-अपने इलाके और समस्याओं की भी जानकारी दी। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी, रामनाथ सिंह, संजय पासवान, चन्द्रशेखर जोशी, सुनील यादव, राजकुमार यादव, पिंटू कुमार, पारिजात सिंह, शंकर मोदी, सन्नी कुमार लहरी, उत्तम कुमार, पवन कुमार सिंह, अजय द्विवेदी, अजय महतो, गौरव कुमार, विनय झा, बुधेश शर्मा, विकास कुमार, सीताराम शर्मा, मुकेश कुमार, रामलाल यादव, दिनेश कुमार सिंह, मनोज गुप्ता, केवलाल कुमार, श्यामलाल सिंह, नवीन कुमार, राजू पासवान, सुनील यादव, महेंद्र ठाकुर, अर्जुन यादव, पप्पू कुमार भदानी, लक्ष्मी बरनवाल, रामचन्द्र यादव, सुनील कुमार बड़गवे, रामावतार केसरी, साकेत कुमार सिंह, नवीन चौधरी, हरिलाल सिंह, रंजीत कुमार, बैजनाथ यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

राजप्रिया गैस एजेंसी में बायोमेट्रिक केवाईसी शुरू

सिल्ली : फैक्ट्री मोड़ स्थित राजप्रिया गैस एजेंसी मुरी के द्वारा लाभुकों से अपील किया गया है कि अपने-अपने गैस खाते की बायोमेट्रिक केवाईसी ऑफिस आकर करवा ले। वही एजेंसी के संचालिका अंजू सुवर्णा ने कही कि केंद्र सरकार का गाइडलाइन गैस एजेंसीयो के पास आया है कि 15 अगस्त तक बायोमेट्रिक केवाईसी करवा ले नहीं तो लाभुकों की खाते में सब्सिडी जो आती है। वह बंद हो जाएगी साथ ही साथ एजेंसी के द्वारा पंचायत में शिविर लगाकर बायोमेट्रिक केवाईसी किया जा रहा है अपने-अपने पंचायत में लाभुक शिविर के माध्यम से भी करवा सकते हैं। दुसरी ओर हलमाद, डोमडीह एवं हाकेदाग में मंगलवार को शिविर लगाकर लाभुकों को बायोमेट्रिक केवाईसी किया गया।

बोड़ाम थाना क्षेत्र के दो दुकानों में चोरी

पटमदा : बोड़ाम थाना क्षेत्र के बोड़ाम बाजार स्थित एक सोना दुकान और बरियादा गांव के एक मोबाइल दुकान में चोरी होने की घटना सामने आई हैं। बोड़ाम बाजार के डब्लू स्वर्णकार के सोनार दुकान का एस्बेस्टर तोड़कर लाखों की चोरी हुई है। वही मोबाइल दुकान में भी कई मोबाईल, नकदी सहित कई सामान चोरी हुई है। मंगलवार दोपहर तीन बजे जमशेदपुर से पहुंची फॉरेंसिक जांच टीम ने बोड़ाम ज्वेलरी दुकान और बारियादा मोबाइल दुकान पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरा, छत, दरवाजे, लॉकर और अन्य जगहों से फिंगरप्रिंट जुटाए। इस दौरान जांच टीम के साथ बोड़ाम थाना प्रभारी नीरज कुमार उपस्थित थे। इधर, ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से लगातार बोड़ाम क्षेत्र में हो रहे चोरी को रुकने के लिए प्रत्येक मोड़ में रात को चौकीदार तैनात करने की आग्रह किया है।

आठ सूत्री मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का आंदोलन तेज, आज सीएम आवास घेराव का एलान

कुकड़ू बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, समान मानदेय, सेवा नियमावली व बीमा सहित कई मांगें उठाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू : सरायकेला खरसावां जिला के कुकड़ू प्रखंड कार्यालय में राज्यस्तरीय पंचायत सहायक संघ के आह्वान पर पंचायत सहायकों ने अपनी आठ सूत्री मांगों के समर्थन में 5 अगस्त को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की घोषणा की है। इस संबंध में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी दी गई। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने कहा है कि वर्षों से लंबित मांगों के समाधान के लिए सरकार से लगातार आग्रह किया जाता रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे पंचायत सहायकों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि मांगों के समर्थन में राज्यभर के पंचायत सहायक 5 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता कराने, समान कार्य के लिए समान मानदेय लागू करने, पंचायत सहायकों के लिए सेवा नियमावली लागू करने, पदों पर 70 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने, सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर आश्रितों को नियोजन देने, पंचायत सहायकों का बीमा कराने, ब्लॉक स्तर पर मॉनिटरिंग सेल गठित करने तथा नगर निकाय में शामिल पंचायत क्षेत्रों के सहायकों के समायोजन सहित आठ प्रमुख मांगें रखी गई हैं। पंचायत सहायकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। ज्ञापन पर कुकड़ू प्रखंड के कई पंचायत सहायकों के हस्ताक्षर अंकित हैं। मौके पर शिवानी महतो, शरत सिंह मुंडा, सुजीत महतो, गुसाई मनी महतो, सस्ता कुमार, संजय महतो समेत कई पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली प्रखंड मुख्यालय परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्य तिथि मनाई गयी

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड मुख्यालय परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्य तिथि मंगलवार को मनाई गयी। वही शिबू सोरेन की फोटो पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार एवं अंचला अधिकारी अरूनुमा एक्का दोनों ने माल्यार्पण किया साथ ही साथ बारी बारी से कर्मचारी, बीएलओ आदि ने भी माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण रखकर शांति प्रार्थना की गई।

कुकड़ू में विकास योजनाओं की समीक्षा, आवास व मनरेगा कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

कुकड़ू : सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की प्रगति पर चर्चा की गई। बीडीओ ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, लंबित आवासों को जल्द पूर्ण कराने तथा पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मनरेगा के तहत अधिक से अधिक रोजगार सृजन, नई योजनाओं की स्वीकृति एवं कार्यों में गति लाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंच सके। बैठक में विभागवार कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा योजनाओं के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन पर बल दिया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

सारथी इंडेन गैस एजेंसी सिलेंडर चोरी कांड का खुलासा, 64 सिलेंडर समेत तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले की तिरुलडीह थाना पुलिस ने सारथी इंडेन ग्रामीण वितरक से हुई गैस सिलेंडर चोरी मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के 64 गैस सिलेंडर, घटना में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन, एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार 27 जुलाई की रात तिरुलडीह थाना क्षेत्र स्थित सारथी इंडेन ग्रामीण वितरक के गोदाम से गैस सिलेंडरों की चोरी हुई थी। मामले में तिरुलडीह थाना कांड संख्या 11/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी के 64 गैस सिलेंडर, पिकअप वाहन संख्या जेएच 05 डीडब्ल्यू-4807, मोटरसाइकिल संख्या जेएच 05बीएन-7028 , एक वीवो एंड्रॉयड मोबाइल और एक जियो कंपनी का कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद सभी सामान जब्त कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं इस चोरी कांड में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता है या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। तिरुलडीह पुलिस का कहना है कि पूरे गिरोह का पता लगाने के लिए अनुसंधान जारी है।

आरपीएफ ने जनशताब्दी एक्सप्रेस से 18 किलो गांजा किया बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : मंगलवार को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ हजारीबाग रोड की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पटना की ओर जा रही अप जनशताब्दी एक्सप्रेस (डी 10 कोच) से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरपीएफ को ट्रेन के डी10 कोच में कुछ संदिग्ध/अवैध सामान रखे होने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोच में रखे चार संदिग्ध बैगों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान चारों बैगों से कुल 18 किलोग्राम के लगभग गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 9 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। आरपीएफ टीम ने सभी बैगों को जब्त कर हजारीबाग रोड पोस्ट पर लाया और घटना की जानकारी तुरंत वरीय अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही मंगलवार को सहायक सुरक्षा आयु श्री संदीप कुमार घोष की उपस्थिति में जब्त किए गए गांजे की जांच व विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई।

"सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतु वृहत्तर सहभागिता"
समाहरणालय, लातेहार
(निर्वाचन शाखा)

आम सूचना SIR 2026

एतद् द्वारा लातेहार जिला के सभी मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के क्रम में दिनांक 05.08.2026 को सभी मतदान केन्द्रों/ एई0आर0ओ0-सह-प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का कार्यालय/ ई0आर0ओ0-सह-अनुमण्डल कार्यालय में प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

उक्त प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची के विरूद्ध निम्नांकित मामले में अधोलिखित अवधि/ प्राधिकार के समक्ष दावा/ आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है :-

क्रं0	विषय	आवेदक के स्तर से अपेक्षित कार्रवाई	दावा/आपत्ति दाखिल करने की अवधि	दावा/आपत्ति प्राप्त करने वाले प्राधिकार	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	प्रारूप मतदाता सूची में नाम नहीं रहने पर	सभी वांछित दस्तावेजों के साथ प्रपत्र 6 ऑनलाईन अथवा BLO के पास ऑफलाईन जमा कराना होगा।	दिनांक 05.08.2026 से 04.09.2026 तक	संबंधित एई0आर0ओ अथवा ई0आर0ओ0	
2	प्रारूप मतदाता सूची में किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम समाहित रहने पर	सभी वांछित दस्तावेजों के साथ प्रपत्र 7 में आपत्ति दर्ज कराना होगा।			
3	प्रारूप मतदाता सूची में किसी भी प्रकार के त्रुटि रहने पर	सभी वांछित दस्तावेजों के साथ प्रपत्र 8 में आवेदन प्रस्तुत करना होगा।			

अतएव जिलान्तर्गत सभी मतदाताओं/प्रबुद्ध नागरिकों/हितधारकों/राजनैतिक दलों के पदधारकों से अपील है कि दिनांक 05.08.2026 को अपने मतदान केन्द्र पर जाकर प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में अपने एवं अपने पारिवारिक सदस्यों/सम्बन्धियों/पड़ोसियों आदि के नाम की अवश्य जांच कर लें। जांचोपरांत यदि आवश्यक हो तो उपरोक्त तालिका के क्रमांक 02 में उल्लेखित विषय पर सक्षम प्राधिकार के समक्ष विहित अवधि में दावा/आपत्ति अवश्य दाखिल करायें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
-सह-उपायुक्त, लातेहार

PR 386588 Election(26-27).D

बगोदर-सरिया अनुमंडल के सभी कार्यालय सरिया में स्थापित करने की मांग, सीएम को भेजा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड सरकार के कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के आलोक में बगोदर-सरिया अनुमंडल का सृजन करते हुए 1 मार्च 2014 को अधिसूचना जारी हुई थी। इस अनुमंडल का मुख्यालय गिरिडीह जिला के सरिया प्रखंड क्षेत्र को बनाया गया। सरिया में अनुमंडल स्तरीय कार्य भी प्रारंभ हो गया। परंतु राजनीतिक और प्रशासनिक षड्यंत्र के करण अनुमंडल स्तरीय न्यायालय तथा जेल के लिए बिरनी प्रखंड के माखमरगो में भूमि को चिन्हित किया गया है। जो 2014 की अधिसूचना का सर्वथा उल्लंघन है।इसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा (झारखंड) के प्रदेश कार्य समिति सदस्य परमेश्वर मोदी ने मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को एक आवेदन देते हुए अनुमंडल मुख्यालय सरिया में अनुमंडल स्तरीय सभी कार्यालय को स्थापित करने की मांग की है। बताया कि बगोदर-सरिया अनुमंडल अंतर्गत बगोदर,सरिया तथा बिरनी प्रखंड क्षेत्र आते हैं। अधिसूचना जारी होने के पश्चात सरकार द्वारा पद सृजन करते हुए एसडीएम, एसडीपीओ सहित अनुमंडल स्तरीय कई पदाधिकारी की नियुक्ति हुई। अनुमंडल स्तरीय कार्य भी होने लगे। समय के साथ सरिया प्रखंड के बागोडीह पंचायत क्षेत्र में अनुमंडल कार्यालय, अनुमंडल स्तरीय अस्पताल, अधिकारी कर्मचारी के आवास का निर्माण भी करवाया गया।

जिससे कि लोगों को अनुमंडल स्तरीय कार्य हेतु जिला मुख्यालय में भाग दौड़ करना नहीं पड़े। सरकार द्वारा बगोदर-सरिया अनुमंडल स्तरीय न्यायालय तथा जेल की भी स्वीकृत हुई। परंतु राजनैतिक और प्रशासनिक षड्यंत्र के कारण अनुमंडल स्तरीय न्यायालय तथा जेल के लिए बिरनी प्रखंड के माखमरगो में स्थल को चिन्हित किया गया है। अनुमंडल कार्यालय से अनुमंडल न्यायालय की दूरी लगभग 10 किलोमीटर हो जाएगी। जिससे आम जनता को अपने कार्य निपटाने में समय की बबार्दी के साथ परेशानी भी बढ़ेगी। बगोदर तथा बिरनी प्रखंड के मध्य सरिया प्रखंड स्थित है। इस भौगोलिक स्थिति के कारण बगोदर-सरिया अनुमंडल का मुख्यालय सरिया को अधिसूचित किया गया था। जनहित में यथा स्थिति रखते हुए नियम संमत अनुमंडल स्तरीय सभी कार्यालय सरिया प्रखंड में ही रखने हेतु सक्षम पदाधिकारी को निर्देशित करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। वहीं इसकी प्रतिलिपि नवीन जायसवाल मुख्य सचेतक भाजपा तथा सरयू राय विधायक पश्चिमी जमशेदपुर को दी है।

सिल्ली में अवैध बालू परिवहन पर पुलिस का शिकंजा, दो टीपर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली अवैध बालू कारोबार के खिलाफ सिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार देर रात दो बालू लदे टीपर वाहनों को जब्त किया। इस कार्रवाई के बाद बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार अगस्त की रात करीब तीन बजे सिल्ली थाना क्षेत्र के पांचू से जरूवाडीह मार्ग पर अवैध रूप से बालू का परिवहन किए जाने की सूचना पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान वाहन संख्या जेएच 01 जीयू 2031 एवं जेएच 01 एफआर 0125 को अवैध बालू परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों टीपरों को विधिवत जब्त कर थाना लाया गया । थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि जब्त वाहनों के विरुद्ध खनन एवं परिवहन से संबंधित प्रावधानों के तहत अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए अवैध खनन पर लगातार कार्रवाई की मांग की है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02. RANCHI

NOTICE INVITING QUOTATION NO-10/2026-27

Sealed quotations are invited for the work

S.No.	Name of Work	Cost of Boq	Time of Completion
1	Supply and Installation of Automatic Sanitary Pad Vending Machine and Centralized Incinerator Machine in All Ladies Toilet at Court Block, Advocate Block 1 & 2, Typist Block 1 & 2 Plaza Area and Baggage Scanner Building at Jharkhand High Court, Dhurwa Campus, Ranchi	5,000.00	1 Month

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi sell of quotation paper will be on 18.08.2026 upto 1.00 pm, quotation paper received on dated-19.08.2026 at 3.00 p.m and will be opened on 19.08.2026 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work in shape of Demand draft (non refundable) from any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) PAN Card

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

नोट :कोटेशन की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

Executive Engineer Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi

PR 386604 (Building)26-27*D

दिशोम गुरु शिबू सोरेन और अमर शहीद डोरन सिंह मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : भुईयासिनान में स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन पुण्य तिथि और अमर शहीद डोरेन सिंह मुंडा का शहादत दिवस मनाते हुए माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया। ग्रामीणों के द्वारा आगामी 4 अगस्त तक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा सभा स्थल पर स्थापित करने की मांग स्थानीय विधायक मंगल कालिंदी से उपस्थिति प्रतिनिधियों के माध्यम से की है। कमिटी द्वारा सभा स्थल पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य डोरेन सिंह मुंडा की धर्मपत्नी कल्पना सिंह को वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।वही उनके साथी रहे समाजसेवी स्व पूर्ण सिंह की पत्नी उत्तरा सिंह,जमींदाता लालमोहन मांडी सहित कई को सम्मानित किया गया। संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा आज एक ऐतिहासिक दिन है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन और अमर शहीद डोरेन सिंह मुंडा के शहादत को हमेशा याद रखते हुए उनकी दिखाए पथ पर चलने का संकल्प लेते हुए।दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुण्य तिथि को झारखंड की हर जनता याद रखेगी पार्षद प्रतिनिधि मानिक चंद्र महतो ने कहा कि झारखंड की भूमि पर वीर शहीद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पुण्य तिथि मनाते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया। वही नक्सली गोलियों के शिकार हुए अमर शहीद डोरेन सिंह मुंडा की शहादत भी मनाते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,पार्षद प्रतिनिधि मानिक चंद्र महतो, कमिटी के भक्त रंजन भूमिज, झामुमो नेता हरिहर सिंह, ग्राम प्रधान देवेन सिंह, सुभाष कर्मकार, समाजसेवी ईशान चंद्र मुर्मू, लाल मोहन मार्डी,काजल सिंह, शिव शंकर सिंह,पंचायत समिति सदस्य विश्वनाथ हांसदा, राजू कर्मकार, माणिक महतो सहित काफी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची

खुला डाक की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विभागीय परिपत्र संख्या 114 दिनांक 18.1.1992 के आलोक में राँची जिला के **सिल्ली प्रखंड** के संलग्न सूची के राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बदोन्बस्ती खुला डाक द्वारा वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक की अवधि के लिए **दिनांक 18.08.2026 को 11:30** बजे पूर्वाह्न से जिला मत्स्य पदाधिकारी -सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची के कार्यालय प्रकोष्ठ में की जाएगी। शेष बचे जलकरों की बंदोबस्ती पुनः खुले डाक के द्वारा **दिनांक 25.08.2026** को **11:00** बजे पूर्वाह्न एवं उसके पश्चात् **दिनांक 31.08.2026** को **11:00 बजे** पूर्वाह्न से जिला जिला मत्स्य पदाधिकारी -सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची के कार्यालय प्रकोष्ठ में की जाएगी।

डाक की शर्तें निम्न प्रकार हैं-

1. निर्धारित वार्षिक सुरक्षित जमा राशि से कम राशि पर बन्दोबस्ती नहीं की जाएगी।
2. डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को प्रतिभूति राशि के रूप में वार्षिक सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत राशि जमा करना होगा।
3. उच्चतम डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि को राजस्व राशि से समायोजित की जाएगी तथा अन्य डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि वापस कर दी जाएगी।
4. डाक राशि जमा नहीं करने पर प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जाएगी।
5. उच्चतम डाक वक्ता को मत्स्य बीज की प्राप्ति के श्रोत से अवगत कराना होगा।
6. बन्दोबस्तदार को राजस्व राशि जमा करने के एक सप्ताह के अन्दर एकरारनामा कराना होगा। एकरारनामा के समय एक पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करना होगा। संपादित एकरारनामा का निबंधन बन्दोबस्तदार को स्वयं के खर्च पर कराना होगा।
7. डाक के एक सप्ताह के अन्दर एकरारनामा नहीं कराने की स्थिति में बन्दोबस्ती की स्वीकृति नहीं दी जाएगी तथा पुनः बन्दोबस्ती करने की प्रक्रिया अपनायी जाएगी।
8. किसी भी डाक/बन्दोबस्ती को रद्द करने या स्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
9. डाक वक्ता को पहचान के रूप में आवश्यक कागजात प्रस्तुत करना होगा।
10. बकायेदार व्यक्ति को डाक में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रखण्ड - सिल्ली

सिल्ली प्रखंड के वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक की अवधि में अल्पकालीन बंदोबस्ती हेतु जलकरों की सूची।

क0	जलकर का नाम	ग्राम	पंचायत	अंचल	खाता सं0	खेसरा सं0	रकबा	सुरक्षित जमा की राशि (रू0 में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	अजयगढ़ तालाब 1	अजयगढ़	नागेडीह	सिल्ली	172	703	0.30	1600
2	मुरी तालाब	मुरी	मुरी	सिल्ली	107	708, 709	0.76	3200
3	पतराहातु बगान घर तालाब	पतराहातु	पतराहातु	सिल्ली	341	494, 495	3.11	8000
4	गेड़िया तालाब	गेड़िया	टुटकी	सिल्ली	–	–	1.00	6000

विशेष जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से कार्यावधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी -सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,राँची

PR 386632 Fish(26-27).D

बांकीपुर उपचुनाव परिणाम क्या भाजपा के लिए नई चुनौती की शुरूआत है

बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम केवल एक सीट का फैसला नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे राज्य की बदलती राजनीतिक दिशा के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। इस चुनाव में जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पहली बार स्वयं चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया। वर्षों तक चुनावी रणनीतिकार के रूप में दूसरों को जीत दिलाने के लिए चर्चित रहे प्रशांत किशोर ने इस बार अपने राजनीतिक अभियान को व्यक्तिगत सफलता में बदल दिया। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीट लंबे समय से उसके प्रभाव क्षेत्र में रही थी।बांकीपुर सीट का राजनीतिक महत्व इसलिए भी अधिक है कि यह पूर्व मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का निर्वाचन क्षेत्र रहा है। नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। इससे पहले उनके परिवार का इस सीट पर लगभग तीन दशक तक प्रभाव बना रहा। भाजपा ने इस उपचुनाव में अपने संगठन से जुड़े साधारण कार्यकर्ता नीरज कुमार को उम्मीदवार बनाया, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने भाजपा के सामने संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशांत किशोर की यह जीत कई दृष्टि से ऐतिहासिक मानी जा सकती है। अबतक उन्हें मुख्य रूप से चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता था। उन्होंने विभिन्न राज्यों में अनेक राजनीतिक दलों के लिए सफल चुनावी रणनीतियां बनाई थीं लेकिन जब उन्होंने जनसुराज पार्टी बनाई और बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा, तब पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। उस समय आलोचकों ने कहा था कि रणनीति बनाना और चुनाव जीतना दो अलग-अलग बातें हैं। बांकीपुर की जीत ने इस धारणा को आंशिक रूप से चुनौती दी है और यह संकेत दिया है कि प्रशांत किशोर अब स्वयं भी जनाधार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, किसी एक सीट की जीत के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल गई है। बिहार की राजनीति सामाजिक समीकरणों, जातीय आधार, क्षेत्रीय प्रभाव और मजबूत संगठनात्मक ढांचे पर टिकी रही है। जनसुराज को अभी राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में अपना संगठन मजबूत करना होगा। एक सीट की सफलता को पूरे राज्य में दोहराना आसान नहीं होगा। इसलिए यह जीत एक अवसर अवश्य है, लेकिन भविष्य की सफलता की गारंटी नहीं। दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है। बांकीपुर जैसे पारंपरिक गढ़ में हार यह संकेत देती है कि केवल पुराने राजनीतिक प्रभाव के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते। यदि स्थानीय कार्यकताओं की अपेक्षाओं, मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं और संगठन की सक्रियता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में भी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। हालांकि भाजपा अभी भी बिहार की प्रमुख राजनीतिक शक्तियों में से एक है और उसके पास व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क तथा मजबूत नेतृत्व मौजूद है। इसलिए केवल एक उपचुनाव के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि भाजपा के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। नितिन नवीन की राजनीतिक छवि पर भी इस हार का प्रभाव पड़ सकता है। उनके निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा की हार विपक्ष को राजनीतिक हमला करने का अवसर अवश्य देगी। हालांकि किसी नेता का राजनीतिक भविष्य केवल एक चुनावी परिणाम से तय नहीं होता। भारतीय राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जहां बड़े नेता चुनाव हारे लेकिन बाद में और अधिक मजबूत होकर लौटे। इसलिए नितिन नवीन के राजनीतिक भविष्य का आकलन भी आने वाले चुनावों और उनके संगठनात्मक प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाना चाहिए। प्रशांत किशोर के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इस जीत को राज्यव्यापी जनसमर्थन में बदलने की होगी।

सूडोकु नवताल- 7877

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7876 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शिबू सोरेन हताशा और चुनौतियों के बीच प्रकाश का मार्ग प्रशस्त किया था

विजय केसरी

झारखंड अलग प्रांत संघर्ष के प्रमुख योद्धा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने हताशा और चुनौतियों के बीच प्रकाश का मार्ग प्रशस्त किया था। झारखंड अल्प प्रांत के लंबे संघर्ष के बाद उन्होंने अंततः झारखंड अलग प्रांत लेकर ही दम दिया था। उनका संपूर्ण जीवन झारखंड अलग प्रांत आंदोलन और इस प्रांत को संवारने में बीता था। उनका झारखंड की राजनीति में 1970 में प्रवेश हुआ था। तब से लेकर लगातार झारखंड अलग प्रांत की लड़ाई लड़ते रहे थे। उन्होंने 2000 में झारखंड अलग प्रांत कर ही माना। झारखंड अलग प्रांत के मुद्दे पर उन्होंने कभी भी किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने बिहार विधानसभा में विपरीत विचारधारा के विधानसभा सदस्यों के बीच हमेशा झारखंड अलग प्रांत के मुद्दे को उठाया था। फलस्वरूप उन्हें बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से 'झारखंड मेरी लाश पर बनेगा' जैसी बातें भी सुननी पड़ी थी। ऐसी बातों से वे तनिक नहीं घबराए बल्कि उसी तरह संघर्षशील रहे थे। वे छात्र जीवन से ही झारखंड अलग प्रांत के पक्षधर थे। झारखंड अलग प्रांत संघर्ष के कारण उन्हें कई कई महीने तक जंगलों में भटकना पड़ा था। जेल की यात्रा करनी पड़ी थी। लेकिन उन्होंने अपना कदम कभी पीछे नहीं किया और लगातार झारखंड अलग प्रांत के लिए संघर्ष करते रहे थे।

मैं भी छात्र जीवन से झारखंड अलग प्रांत का पक्षधर रहा । इस निमित्त मैं झारखंड अलग प्रांत संघर्ष के औचित्य पर रांची से प्रकाशित होने वाले विभिन्न हिंदी अखबारों में नियमित रूप से लेख लिखा करता रहा था। शिबू सोरेन बराबर मेरे आलेख को पढ़ा करते थे। वे मेरे आलेख से काफी प्रभावित भी थे। लेकिन मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं थी। उनसे मेरी पहली मुलाकात ओरमांझी के एक लाइन होटल पर हुई थी। वे अपने कुछ झारखंड आंदोलनकारी सहकर्मियों के साथ चाय पानी के लिए थोड़ी देर के लिए वहां रुके थे। मैं वहां अपने कुछ मित्रों के साथ चाय पी रहा था । शिबू सोरेन को देखकर मेरी जिज्ञासा हुई कि मैं उनसे मिल लूं, तो मैंने उन्हें प्रणाम कर अपना परिचय को दिया और कहा कि मैं झारखंड अलग प्रांत आंदोलन के औचित्य पर बराबर अखबारों में लेख लिख रहा हूं।? यह बात सुनते ही उन्होंने मेरे पीठ पर हाथ फेरते हुए कहा कि 'आप अच्छा लिख रहे हैं। इसी तरह लिखते रहें। मैं आपके आलेख को पढ़ता रहता हूं ।? देखिए, एक न एक दिन हम सब जरुर सफल होंगे । झारखंड अलग प्रांत लेकर ही रहेंगे।'

इस दौरान उनसे झारखंड अलग प्रांत के मुद्दे पर काफी विस्तार से बातें भी हुईं। उन्होंने मेरी बातों को बड़े ही ध्यान से सुना। वे लाईन होटल से जाने से पहले हम लोगों के चाय का बिल का भी भुगतान कर दिया था। फिर उन्होंने कहा कि 'लिखने से कभी डरिएगा नहीं। मैं सदा आपके साथ खड़ा रहूंगा।' इस बात के लगभग बीस वर्षों बाद सन 2000 में झारखंड अलग प्रांत का गठन हो पाया था।

लेकिन झारखंड अलग प्रांत के प्रमुख योद्धा होने के बावजूद शिबू सोरेन मुख्यमंत्री नहीं बन पाए थे। इस बात का उन्हें मलाल था। लेकिन झारखंड को संवारने के लिए उनका संघर्ष जारी था। इस दौरान उनसे कई मुलाकातें हुई। जब भी मैं उनसे मिला, उन्होंने उनके साथ की गई राजनीति की भी चर्चा की। उन्हें झारखंड की सत्ता से दूर रखने के लिए कैसी ओछी राजनीति की गई थी? इस बात की भी उन्होंने चर्चा की थीं।

हजारीबाग के प्रतिष्ठित चिकित्सक सह लेखक डॉ हीरालाल साहा ने शिबू सोरेन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर 'शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख योद्धा' शीर्षक से एक पुस्तक लिखी थी। चूंकि डॉ हीरालाल साहा हमारे लेखकीय मित्र थे, शिबू सोरेन पर पुस्तक लिखने के क्रम में हम दोनों की शिबू सोरेन से कई बार मुलाकात हुई। बातचीत हुई। शिबू सोरेन अब कम बोलते थे। और हम लोगों की बातें ज्यादा सुना करते थे। उक्त पुस्तक का बड़े स्तर पर विमोचन होना था। लेकिन शिबू सोरेन की तबीयत बराबर खराब रहने के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया था। बाद में डॉ हीरालाल शाहा का भी निधन हो गया। मैं इतना कह सकता हूं कि शिबू सोरेन एक जिंदादिल, मजबूत संगठन कर्ता और राजनेता थे। उन्होंने अपने संघर्ष के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। झारखंड गठन होने के बाद जब इस राज्य के मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी थे, तब हजारीबाग में कूद ग्राम में रेलवे निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण किया गया था। जिसमें हजारों की संख्या में लोग विस्थापित हुए थे । मैं और पूर्व विधायक गौतम सागर राणा ने संयुक्त रूप इस विस्थापन के खिलाफ संघर्ष का ऐलान किया था। इसी दौरान शिबू सोरेन से भी इस विस्थापन के मुद्दे पर बातचीत हुई थी। उन्होंने हम सबों को अपना नैतिक समर्थन देने का आश्वासन भी दिया था। उनका इस संघर्ष में हम लोगों को मार्ग निर्देशन भी मिलता रहा था। बाद के कालखंड में वे इस राज्य के मुख्यमंत्री भी बने थे। तब तक यह संघर्ष भी शिथिल पड़ गया था। भूमि मुआवजा को लेकर कूद के ग्रामीण न्यायालय के शरण में चले गए थे। इसके बावजूद शिबू सोरेन ने अपनी ओर से कूद में विस्थापित हुए लोगों को भूमि का उचित से उचित मुआवजा मिले, इस निमित्त हजारीबाग के डीसी को निर्देशित भी किया था। इसका लाभ कूद के विस्थापितों को लोगों को मिला था।

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी, 1944 को रामगढ़ जिले के नामरा गांव में हुआ था। वे अपने बलबूते झारखंड की धरती पर संघर्ष कर देश के एक सफल राजनेता बने। उनकी स्कूली शिक्षा नामर गांव में ही हुई थी। स्कूली शिक्षा समाप्त करने के बाद कम उम्र में ही उनका विवाह हो गया । कृषक पुत्र होने के चलते उन्होंने पिता को खेती के काम में मदद करने का निर्णय लिया था। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। इसी कालखंड में उनके पिता शोभराम सोरेन की हत्या कर दी गयी थी। यह समय उनके जीवन के लिए बहुत ही चुनौती पूर्ण था। उन्होंने प्रारंभ में गांव की चौपाल की राजनीति की थी। बाद के कालखंड में उन्होंने राजनैतिक जीवन की शुरूआत 1970 में शुरू की थी। 23 जनवरी, 1975 को उन्होंने तथाकथित रूप से जामताड़ा जिले के चिरूडीह गाँव में बाहरी लोगो को खदेड़ने के लिये एक हिंसक भीड़ का नेतृत्व किया था। इस घटना में 11 लोग मारे गये थे। शिबू सोरेन को 68 अन्य लोगों के साथ हत्या का अभियुक्त बनाया गया था। इसके साथ ही उन्होंने झारखंड अलग प्रांत का नारा भी बुलंद किया था। झारखंड अलग प्रांत के लिए उन्होंने संघर्ष भी प्रारंभ कर दिया था।

शिबू सोरेन पहली बार 1977 में लोकसभा के लिये चुनाव में खड़े हुए थे, परन्तु पराजित हो गए थे। लेकिन वे इस पराजय से बिल्कुल हताश नहीं हुए थे। 1980 में वे लोक सभा चुनाव जीते। इसके बाद क्रमशः 1986, 1989, 1991, 1996 में भी चुनाव जीते थे। 10 अप्रैल 2002 से 2 जून 2002 तक वे राज्यसभा के सदस्य रहे थे। 2004 में वे फिर से दुमका से लोकसभा के लिये चुने गये थे । सन 2005 में झारखंड विधानसभा चुनावों के पश्चात वे विवादस्पद तरीके से झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे।? परंतु बहुमत साबित न कर सकने के कारण कुछ दिनो के पश्चात ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। ऐसे शिबू सोरेन के जीवन संघर्ष पर गौर किया जाए तो उनका संपूर्ण जीवन झारखंड की राजनीति को समर्पित रहा था। उनका जीवन भागम भाग से भरा रहा था। जीवन के अंतिम क्षणों तक चुनौतियां उनके समक्ष आती रही थीं। इसी दौरान उनके मुख्यमंत्री पुत्र हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले के मामले में जेल भी जाना पड़ा था। तमाम दुश्वारियों और गतिरोधों के बावजूद शिबू सोरेन कभी हिम्मत नहीं हारे। उन्होंने हताशा और चुनौतियों के बीच प्रकाश का मार्ग प्रशस्त किया था।

विदेश में डंकी रूट से साइबर धोखाधड़ी तक में फंसते भारतीय

संजय सक्सेना

भारत में अवैध घुसपैठ हमेशा से एक संवेदनशील राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दा रहा है, जिस पर हर चुनाव और संसद के हर सत्र में सियासी दल अपनी रोटियां सेकते नजर आते हैं। सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्रीय अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के नाम पर बहसें और तीखे बयान राजनीति का स्थायी हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब जमीनी हकीकत और सरकारी आंकड़ों की कसौटी पर इस बहस को परखा जाता है, तो एक बेहद चौंकाने वाली और विरोधाभासी तस्वीर उभरकर सामने आती है। विदेश मंत्रालय की तरफ से संसद में रखे गए हालिया आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि एक तरफ जहां भारत अपनी सरहदों के भीतर अवैध प्रवासियों पर नकेल कसने में प्रशासनिक और कानूनी जटिलताओं के चलते संघर्ष कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के अलग-अलग देशों में रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में गए हजारों भारतीय अवैध आप्रवासन के जाल में फंसकर हर साल डिपोर्ट किए जा रहे हैं। यह स्थिति न केवल भारत की घरेलू सुरक्षा प्रणालियों की सीमाओं को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे वैश्विक स्तर पर भारतीय नागरिक कड़े आव्रजन कानूनों के शिकार बन रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केवल वर्ष 2025 में ही करीब 19,811 भारतीयों को दुनिया के विभिन्न देशों में अवैध आप्रवासन के आरोप में हिरासत में लिया गया और फिर उन्हें वापस उनके वतन भेज दिया गया। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि बेरोजगारी, गरीबी और बेहतर आजीविका की लालसा में युवा किस हद तक जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। इसके विपरीत, यदि भारत के भीतर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति बिल्कुल उलट और बेहद सुस्त प्रतीत होती है। हालांकि भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आधिकारिक और समेकित आंकड़े सार्वजनिक रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन विभिन्न खुफिया, सुरक्षा और प्रशासनिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी बताती है कि देश में हर साल बमुश्किल दो से ढाई हजार विदेशी नागरिकों को ही हिरासत में लिया जाता है और फिर लंबी कानूनी तथा कूटनीतिक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद उन्हें डिपोर्ट किया जाता है। यह विसंगति देश की आंतरिक सुरक्षा और प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाती है कि आखिर सीमाओं के रास्ते आने वाले लाखों अवैध प्रवासियों की तुलना में यह आंकड़ा इतना कम क्यों है।

वर्ष 2025 के आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर यह साफ हो जाता है कि भारतीय नागरिकों के डिपोर्टेशन का दायरा केवल पारंपरिक रूप से खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अब दुनिया के कोने-कोने तक फैल चुका है। खाड़ी देशों में भारत से नजदीकी और रोजगार के प्रचुर अवसरों के कारण बड़े पैमाने पर लोग जाते हैं, लेकिन कई बार वीजा की अवधि समाप्त होने, समय पर नवीनीकरण न होने या फिर एजेंटों के बहकावे में आकर लोग अवैध रूप से कार्य करने लगते हैं। 2025 में अकेले संयुक्त अरब अमीरात से 7,896 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जो किसी भी एक देश से सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह अमेरिका से 3,500 भारतीयों को वापस भेजा गया, जो इस बात का संकेत है कि 'डंकी रूट' या अवैध रास्तों से अमेरिका में प्रवेश करने का क्रेज युवाओं में कितना घातक साबित हो रहा है। मलेशिया से 1,675, म्यांमार से 1,676 और कंबोडिया से 1,300 भारतीयों को भारत वापस भेजा गया। कंबोडिया और म्यांमार जैसे देशों से डिपोर्टेशन के मामलों में हाल के वर्षों में भारी उछाल आया है, जिसके पीछे साइबर फ्रॉड और नौकरी के फर्जी विज्ञापनों के जरिए युवाओं को बंधक बनाए जाने और अवैध गतिविधियों में धकेले जाने के मामले मुख्य कारण रहे हैं।

सबसे दिलचस्प और चौंकाने वाली बात यह है कि भारतीय नागरिक अब उन छोटे-छोटे और अप्रत्याशित देशों से भी डिपोर्ट हो रहे हैं, जिनके बारे में आम तौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में जॉर्जिया में 12, कोलंबिया में 30, जमैका में 3, लिथुआनिया में 4, माल्टा में 3, स्लोवाक गणराज्य में 27 और यहां तक कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी 231 भारतीयों को हिरासत में लिया गया या डिपोर्ट किया गया। लैटिन अमेरिकी देश जैसे कोलंबिया और कैरेबियाई देश जैसे जमैका अमेरिकी महाद्वीप में प्रवेश करने के लिए अवैध एजेंटों द्वारा ट्रांजिट रूट के रूप में उपयोग किए जाते हैं, जहां भारतीय नागरिक मानव तस्करों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं और अंततः विदेशी जेलों या हिरासत केंद्रों में पहुंचते हैं। यूरोपीय देश जैसे लिथुआनिया, माल्टा और स्लोवाकिया भी अब ऐसे भारतीयों के निशाने पर हैं, जो शेंगेन वीजा के नियमों का उल्लंघन कर पश्चिमी यूरोप में दाखिल होना चाहते हैं, लेकिन कानूनों के शिकंजे में फंसकर वापस भेज दिए जाते हैं।

अवैध प्रवासन और डिपोर्टेशन का यह संकट कोई नया नहीं है, बल्कि इसका एक लंबा और दर्दनाक इतिहास रहा है। यदि हम पिछले दशकों के मामलों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि समय-समय पर बड़े पैमाने पर भारतीयों को विदेशी धरती से खदेड़ा गया है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान कुवैत और इराक से लाखों भारतीयों को युद्ध के हालातों के चलते अचानक वापस लौटना पड़ा था, हालांकि वह मुख्य रूप से युद्ध जनित पलायन था, लेकिन उसके बाद के दशकों में वीजा नियमों के उल्लंघन और अवैध रूप से रहने के कारण डिपोर्टेशन की घटनाएं लगातार बढ़ती गईं। दशक पहले सऊदी अरब में निताकात कानून के सख्त होने पर लाखों भारतीयों को अपनी नौकरियां गंवानी पड़ी थीं और हजारों को वैध दस्तावेज न होने पर भारत वापस डिपोर्ट किया गया था। इसी तरह यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय देशों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन रिटर्न के तहत अनधिकृत रूप से रह रहे हजारों भारतीयों को चार्टर्ड उड़ानों के जरिए भारत भेजा जा चुका है।

हालिया वर्षों में अमेरिका द्वारा सैन्य विमानों या विशेष उड़ानों के जरिए भारतीयों को हथकड़ी लगाकर सामूहिक रूप से डिपोर्ट किए जाने की तस्वीरें भारतीय मीडिया में सुर्खियों में रही हैं। वर्ष 2020 और उसके बाद के कोविड काल के दौरान भी खाड़ी देशों और यूरोप से हजारों भारतीय कामगारों को बिना वैध वीजा या काम के अधिकारों के डिपोर्ट किया गया था। इन पुराने मामलों से यह स्पष्ट होता है कि सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा समय-समय पर कड़े आव्रजन कानून लागू किए जाने के बावजूद भारतीय युवाओं का विदेश मोह कम नहीं हुआ है। एजेंटों का सिंडिकेट युवाओं को विदेशों में सुनहरे भविष्य का सपना दिखाकर अवैध रास्तों से भेजने का खेल लगातार खेल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप हर साल हजारों परिवार सामाजिक और आर्थिक बबादी की कगार पर पहुंच जाते हैं। डिपोर्ट होकर लौटने वाले अधिकांश युवा कर्ज के दलदल में फंसे होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी जमीन गिरवी रखकर या भारी ब्याज पर कर्ज लेकर एजेंटों को लाखों रुपये दिए होते हैं। कुल मिलाकर भारत के भीतर अवैध घुसपैठियों के डिपोर्टेशन के आंकड़े और विदेशों से डिपोर्ट होने वाले भारतीयों की संख्या के बीच का यह भारी अंतर देश की नीतियों और प्रशासनिक तंत्र की गंभीर कमियों को उजागर करता है।

जॉब नहीं तो सिंहासन हिलेगा, राहुल का प्रयागराज से बड़ा दांव

अजय कुमार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने साफ लिखा, 'जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा।' यह पोस्ट ठीक उसी समय आया जब देश भर में बेरोजगारी और पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं का गुस्सा अभी भी थमा नहीं है। कोटा और देहरादून के बाद अब यह अभियान 'छात्रों की गूंज' 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी कॉलेज मैदान में उतरने जा रहा है। कांग्रेस का दावा है कि मिस्ड कॉल और क्यूआर कोड के जरिए डेढ़ लाख से ज्यादा छात्रों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा संकेत है। प्रयागराज कभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मक्का माना जाता था। यहां हर साल देश-प्रदेश से लाखों युवा आते हैं। फॉर्म भरते हैं, फीस जमा करते हैं, सालों साल कोचिंग करते हैं और फिर इंतजार करते रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियां और परीक्षा पैटर्न में बदलाव ने इन युवाओं का भरोसा तोड़ दिया। नीट यूजी 2026 परीक्षा में हुए कथित पेपर लीक के बाद पूरे देश में गुस्सा फूट पड़ा। मई में करीब 22 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। लीक की खबर आने के बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। फिर जून में दोबारा परीक्षा हुई जिसमें करीब 20 लाख छात्र शामिल हुए। दो लाख के आसपास छात्र दोबारा नहीं बैठे। यह आंकड़ा बताता है कि कितने युवाओं का एक साल बर्बाद हो गया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले हुए प्रदर्शन ने इस गुस्से को नया रूप दिया। जुलाई में जब हजारों छात्र संसद की ओर बढ़े तो पुलिस ने लाठियां चलाईं और पैलेट गन का इस्तेमाल भी हुआ। कई युवा घायल हुए। कुछ दिनों बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री ने फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की बात कही। लेकिन युवाओं का सवाल अभी भी वही है कि सिस्टम क्यों बार-बार नाकाम साबित होता है।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में ठीक यही बात दोहराई। उन्होंने लिखा कि पेपर लीक ने युवाओं का आज छीन लिया, रुकी हुई भर्तियों ने उनका कल छीन लिया और दिल्ली में सिर्फ इसलिए लाठियां चलीं क्योंकि उन्होंने अपने हक की बात कही। अब बहाने नहीं चलेंगे। जवाबदेही लीजिए या कुर्सी छोड़िए।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय खुद प्रयागराज में कैंप कर रहे हैं। पार्टी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम भी तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। केपी ग्राउंड पर मंच तैयार हो रहा है। आसपास के जिलों से छात्रों को लाने के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कौशांबी, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी समेत पूर्वांचल के कई जिलों से युवा आने वाले हैं। भदोही से अकेले हजारों छात्रों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि यह सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं को एक मंच देने की कोशिश है। उत्तर प्रदेश में युवा और बेरोजगारी का मुद्दा हमेशा से संवेदनशील रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र की डबल इंजन सरकार रोजगार देने के दावे करती रही है। लेकिन पेपर लीक के मामले और भर्तियों में देरी ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रयागराज में तैयारी करने वाले छात्रों में ब्राह्मण, भूमिहार, मौर्य, कुर्मी और दलित समुदाय के युवा बड़ी संख्या में हैं। इनमें से कई पारंपरिक रूप से भाजपा के साथ रहे हैं। लेकिन अगर ये युवा बेरोजगारी और परीक्षा व्यवस्था की अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की ओर झुकते हैं तो 2027 के समीकरण बदल सकते हैं।इतिहास गवाह है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय और छात्र राजनीति ने देश को कई नेता दिए। चंद्रशेखर आजाद की शहादत की भूमि से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, वीपी सिंह और हेमवती नंदन बहुगुणा तक की राजनीतिक यात्रा यहीं से शुरू हुई। छात्र आंदोलन हमेशा सत्ता के खिलाफ जनमत बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता आया है।

राहुल गांधी का यह दौरा उसी परंपरा को आगे बढ़ाने की कोशिश लगता है।कोटा में 17 जून को अभियान शुरू हुआ था। देहरादून में 17 जुलाई को दूसरा चरण हुआ। अब प्रयागराज तीसरा और शायद सबसे महत्वपूर्ण चरण है। पहले दिल्ली में 9 अगस्त को बड़ा कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन अनुमति न मिलने के बाद इसे प्रयागराज शिफ्ट कर दिया गया।कांग्रेस की रणनीति साफ है। 2027 के चुनाव को जातिगत समीकरणों के बजाय युवा और बेरोजगारी के नैरेटिव पर केंद्रित करना। सपा के पीडीए फॉर्मूले के साथ अगर कांग्रेस छात्र शक्ति को जोड़ लेती है तो गठबंधन का आधार और मजबूत हो सकता है। झारखंड में जेपीएससी को लेकर भी छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर का असर कई राज्यों में दिख रहा है। ऐसे में प्रयागराज का कार्यक्रम सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संदेश बन सकता है। डेढ़ लाख पंजीकरण का दावा अगर मैदान में भीड़ में तब्दील होता है तो यह कांग्रेस के लिए बड़ी कामयाबी होगी। लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं। प्रशासनिक अनुमति, सुरक्षा व्यवस्था और मौसम सब कुछ देखना होगा। पार्टी के अंदर भी तैयारियों को लेकर कुछ घर्षण की खबरें आई हैं। फिर भी अजय राय और स्थानीय नेता दावा कर रहे हैं कि केपी ग्राउंड से लेकर शहर की गलियां युवाओं से भर जाएंगी।राहुल गांधी के पोस्ट का स्वर आक्रामक है। सिंहासन हिलने की बात सिर्फ नारा नहीं, बल्कि युवाओं के गुस्से को राजनीतिक ताकत में बदलने की कोशिश है। पेपर लीक के बाद शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, भर्तियों में देरी और दिल्ली की घटना ने एक नई पीढ़ी को सड़क पर उतार दिया। अब देखना यह है कि 8 अगस्त को प्रयागराज में यह गूंज कितनी दूर तक जाती है।

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

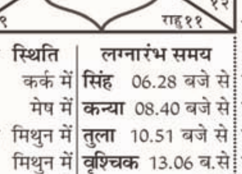

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.28 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	08.40 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.51 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.06 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.22 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.27 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.13 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.46 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.16 बजे से
		वृष	23.57 बजे से
		मिथुन	01.55 बजे से
		कर्क	04.08 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 217 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 20.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 21.18 बजे को समाप्त। **योग** शूल 17.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 09.27 बजे तदनन्तर बव 20.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 01' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872792 **जूलियन दिन** 2461257.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 21 **विशेष** शीतला सप्तमी, मासिक जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

दावा, आपत्ति को लेकर बीएलओ को मिला प्रशिक्षण

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड कार्यालय के सभागार में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मंगलवार को दावा, आपत्ति, नोटिश एवं सत्यापन के कार्य को लेकर बीएलओ व बीएलओ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ नागेश्वर साव ने दिया। बीडीओ ने कहा कि पांच अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप का प्रकाशन होना है। पांच के बाद मतदाताओं का दावा, आपत्ति, नोटिश एवं सत्यापन की तिथि निर्धारित है। एसआईआर के बाद बीएलओ को दावा, आपत्ति के मामले से निपटना है। बीडीओ ने उपस्थित बीएलओ एवं बीएलओ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। मौके पर बीएलओ रित्ता देवी, विभा मंडल, मनोज गोस्वामी, रवि कुमार, मुकेश कुमार, शुन्तला हांसदा, पर्यवेक्षक जेई हीरू लाल हांसदा, अर्जुन साह, पैट्रिक हांसदा, बीपीआरओ परमानंद मंडल, कृषि पदाधिकारी जोसेफ टुडू, परमानंद मंडल आदि थे।

पाकुड़ कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का एसपी ने किया गहन निरीक्षण

पाकुड़ : जिला व्यवहार न्यायालय एवं न्यायाधीशों के आवासीय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने व्यापक सुरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कोर्ट सुरक्षा नोडल पदाधिकारी-सह-पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), कोर्ट सुरक्षा प्रभारी तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस बलों की सतर्कता, सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के पालन की विस्तार से समीक्षा की गई। निरीक्षण की शुरूआत न्यायालय परिसर में तैनात सुरक्षाबलों की ₹गार्ड होशियार₹ कार्रवाई से हुई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर की चारदीवारी, सुरक्षा मोर्चों, चारदीवारी पर लगाए गए कॉन्सर्टिना वायर, सीसीटीवी कैमरों, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर , हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, कोर्ट हाजत, कैदी एस्कॉर्ट व्यवस्था तथा प्रवेश द्वार पर की जा रही सघन तलाशी (फ्रिस्किंग) का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में कहीं भी किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। समीक्षा के दौरान एसपी ने न्यायालय सुरक्षा में तैनात सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को पुलिस मुख्यालय, झारखंड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) एवं दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर संवेदनशील स्थान है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जेएलकेएम के आवेदन पर हरकत में प्रशासन, सड़क व नाली का हुआ निरीक्षण

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिला सचिव मो. जहांगीर अंसारी ने बताया कि संगठन द्वारा ग्रामीण हित में उपायुक्त को दिए गए आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मंगलवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड के मनरेगा के कनीय अभियंता सोहेल ने वार्ड संख्या-11 में सड़क एवं नाली की समस्याओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अमड़ापाड़ा बाईपास (पोखरिया रोडझराजा गैराज मार्ग) का भी निरीक्षण कर आवश्यक मापी की गई। मो. जहांगीर अंसारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कनीय अभियंता ने शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या-11 के ग्रामीण लंबे समय से सड़क एवं जलनिकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। प्रशासन की इस पहल से लोगों में उम्मीद जगी है कि उनकी वर्षों पुरानी समस्या का शीघ्र समाधान होगा।

पाकुड़ में पद्म भूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण

जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर मंगलवार को पाकुड़ के पुराने डीसी कार्यालय परिसर में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा का भव्य एवं गरिमामय वातावरण में अनावरण किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लेकर दिशोम गुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूरा परिसर ₹दिशोम गुरु अमर रहें₹ के नारों और श्रद्धांजलि के माहौल से गूंज उठा।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिमा के अनावरण के बाद दिशोम गुरु की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा झारखंड राज्य के गठन, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, आदिवासी समाज के अधिकारों, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके ऐतिहासिक संघर्ष को याद किया। इस अवसर पर महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, परियोजना निदेशक (आईटीडीए) अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार तथा जिला नजारत उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि दिशोम गुरु ने अपना संपूर्ण जीवन झारखंड की अस्मिता, आदिवासी समाज के अधिकारों और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष, दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा नई पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि झारखंड की गौरवशाली विरासत, संघर्ष और जनआकांक्षाओं की जीवंत पहचान है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास और महान नेताओं से जोड़ने का कार्य करेगी। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन समाज के वंचित, कमजोर और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की स्मृतियों को संरक्षित करना केवल उन्हें श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को उनके आदर्शों, मूल्यों और विचारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रतिमा आने वाले वर्षों तक समाज को सेवा, समर्पण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण के मूल्यों की प्रेरणा देती रहेगी। समारोह में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी दिशोम गुरु के संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी, जनसरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा झारखंड आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने झारखंडवासियों में स्वाभिमान, सामाजिक चेतना और अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करने का कार्य किया। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिकों ने सामूहिक रूप से दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा झारखंड के सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, जिला उपाध्यक्ष समद अली, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी, कांग्रेस के प्रदेश महासचिव डॉ. तनवीर आलम सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, जनजातीय समाज के सदस्य, युवा एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। समारोह शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण, उमड़ा जनसैलाब

साहिबगंज : झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक व पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरू वीर शिबू सोरेन की साहिबगंज में प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा व दिशोम गुरू शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में लगभग 15 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ, राजमहल विधायक एमटी राजा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम व अन्य ने लगभग 12:32 बजे साक्षरता चौक एवं इसके उपरांत समाहरणालय समीप चिल्ड्रेन्स पार्क में दिशोम गुरू शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके उपरांत सिदो-कान्हू स्टेडियम में सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा हुई। मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने स्टेडियम पहुंचते ही वहां स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सभा स्थल पर दिशोम गुरू की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत श्रद्धांजलि सभा हुई। जिसकी अध्यक्षता झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने की। इस दौरान भाजपा नेता अमित सिंह, डॉ विजय, झामुमो जिला सचिव सुरेश टुडू, पूर्व विधायक ध्रुव भगत सहित राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री दीपक बिरुआ ने सभा को संबोधित किया। झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, प्रो कमल महावार, अनवर अली, सुनील सिंह, राजेश चौधरी, सुनील सिन्हा, चतुरानंद पांडेय, प्रो नजरुल इस्लाम, केताबुद्दीन शेख, मो कलीमुद्दीन, बास्की यादव, संजीव सामु हेंब्रम, मो सरफराज, नगर परिषद उपाध्यक्ष विनीता देवी, जिप सदस्य रणधीर सिंह सहित झामुमो, कांग्रेस, भाजपा, आजसू, जदयू सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता व हजारों की संख्या में आम जन मौजूद थे।

मंत्री दीपक बिरुआ ने डायल-112 बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखा किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में आम जनता की सुरक्षा और त्वरित पुलिस सहायता को और मजबूत करने के उद्देश्य से 04 अगस्त 2026, अपराह्न 12:00 बजे पुलिस केंद्र, साहिबगंज में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के दीपक बिरुआ, मंत्री राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार तथा परिवहन विभाग, साहिबगंज जिला को डायल-112 सेवा हेतु उपलब्ध कराए गए नए बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डायल-112 की इन आधुनिक वाहनों के आने से जिले में आपातकालीन स्थिति में पुलिस की पहुंच और प्रतिक्रिया समय पर बेहतर होगा। इससे आम लोगों को त्वरित सहायता मिल सकेगी और कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।कार्यक्रम में विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

गंदे पानी के बीच पढ़ने को मजबूर छात्र, बदहाल व्यवस्था से जूझ रहा उत्क्रमित उच्च विद्यालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पुलिस लाइन इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के अभाव और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा है। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने स्थित इस विद्यालय के सामने गंदे पानी का जमाव होने से छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय के मुख्य प्रवेश मार्ग पर पूरे मुहल्ले का गंदा पानी जमा रहने से बच्चों और शिक्षकों को प्रतिदिन उसी पानी से होकर विद्यालय आना-जाना पड़ता है। पेवर्स ब्लॉक पर फैले गंदे पानी के कारण संक्रमण और विभिन्न बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि विद्यालय के सामने ही जिला शिक्षा अधीक्षक का कार्यालय स्थित है, लेकिन लंबे समय से बनी इस समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। विद्यालय की एक शिक्षिका ने बताया कि स्कूल का शौचालय भी पूरी तरह बदहाल स्थिति में है। शौचालय ओवरफ्लो होने के कारण उसका उपयोग करना संभव नहीं है। इससे छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि शौचालय उपयोग योग्य नहीं रहने से कई बच्चे मजबूरी में खुले में शौच करने को विवश हैं, जबकि महिला शिक्षिकाओं को आवश्यकता पड़ने पर घर जाना पड़ता है। इससे शिक्षण कार्य भी प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों एवं विद्यालय परिवार ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था तथा शौचालय की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती अनियमितताओं के विरोध में जेएलकेएम का धरना प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जेएलकेएम ने जेपीएससी-जीएसएससी में अनियमितता का आरोप लगाते हुए मंगलवार को सदर अनुमंडलीय कार्यलाय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अर्जुन कुमार महतो ने की। इसके उपरांत एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल के नाम डीसी को ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष ने बताया कि टीडीपीएल एजेंसी के चयन, कार्यप्रणाली एवं भूमिका की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन परीक्षाओं में अनियमितता प्रमाणित हो, उन्हें निरस्त कर पुनः निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आयोजित किया जाए। भविष्य में जेपीएससी एवं जीएसएससी की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय आयोग स्वयं अपनी प्रत्यक्ष निगरानी में कराए। मुख्य परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कर पारदर्शी मूल्यांकन व्यवस्था लागू की जाए। भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए प्रभावी एवं कठोर कानून बनाया जाए। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पूर्णतः योग्यता, निष्पक्षता एवं पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर की जाए। भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का विश्वास बहाल करने हेतु व्यापक संस्थागत एवं प्रशासनिक सुधार किए जाए। ज्ञापन में परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा भविष्य में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती व्यवस्था लागू करने की मांग की गई।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग

पाकुड़ : जिले में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक और धांधली के आरोपों को लेकर यंग डेमोक्रेट्स, झारखंड ने राज्य सरकार से सभी विवादित मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि लगातार सामने आ रहे विवादों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और भर्ती प्रक्रिया पर अभ्यर्थियों का भरोसा कमजोर हुआ है। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में संगठन के प्रदेश प्रतिनिधियों ने कहा कि झारखंड का युवा वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है, लेकिन परीक्षा के समय पेपर लीक, अनियमितताओं और परिणामों में कथित गड़बड़ियों की खबरें सामने आने से उसकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। उनका आरोप है कि अब तक हुई जांचों में पूरे नेटवर्क और कथित बड़े जिम्मेदार लोगों तक कार्रवाई नहीं पहुंच सकी है। यंग डेमोक्रेट्स ने राज्य सरकार से मांग की कि जेपीएससी और जेएससी के अंतर्गत आयोजित सभी विवादित परीक्षाओं एवं पेपर लीक मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी जाए।

संक्षिप्त खबरें

झिकरहटी में अवैध महुआ शराब के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, तीन गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र के झिकरहटी गांव में अवैध महुआ शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 95 लीटर अवैध देशी महुआ शराब बरामद की है। छापेमारी के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि शराब ढुलाई में प्रयुक्त एक टोटो (ई-रिक्शा) भी जब्त किया गया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को सूचना मिली थी कि झिकरहटी निवासी सष्टी राजवंशी अपने घर से अवैध महुआ शराब की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने देखा कि दो व्यक्ति टोटो से प्लास्टिक जार उतारकर सष्टी राजवंशी के घर में ले जा रहे थे। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन जवानों ने उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ के बाद टोटो और मकान की तलाशी में कुल 95 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुई। बरामद शराब में तीन प्लास्टिक जार में 75 लीटर तथा 20 बोतलों में 20 लीटर शराब शामिल है। पुलिस ने इस मामले में झिकरहटी निवासी सष्टी राजवंशी, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के समशेरगंज थाना क्षेत्र के चांदपुर-भसाईपाईकर निवासी जैनल आवेदिन तथा टोटो चालक अब्दुल हाकिम को गिरफ्तार कर लिया। तीनों के विरुद्ध पाकुड़ (नगर) थाना कांड संख्या 110/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 272, 274, 275 एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी गौरव कुमार, यशवंत कुशवाहा, महादेव प्रसाद मालाकार, कालेश्वर साव, शांति देवी, मनोज कुमार साहा सहित मुफस्सिल थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

दियारा भूमि का निबंधन शुरू करने और ऑफलाइन जाति-निवास प्रमाण पत्र बहाल करने की मांग

साहिबगंज: राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरूआ को क्षेत्र के भूमि से जुड़ी समस्या से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौपे हैं। विधायक ने मांग पत्र के माध्यम से कहा कि वर्तमान में जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र निर्गत करने की ऑनलाइन प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब हो रहा है। इसके कारण वर्तमान में चल रहे एसआईआर प्रक्रिया एवं राशन कार्ड में अपडेट करने के लिए राशन कार्डधारको का निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से अंचलाधिकारी द्वारा प्रतिदिन 200 आवेदनों का ही निष्पादन किया जा रहा है। जिस कारण जिले के प्रत्येक अंचलो में कई हजार आवेदन पेंडिग है। अतः जब तक ऑनलाइन व्यवस्था पूर्णतः सुचारु नहीं हो जाती, तब तक जनहित में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार कर प्रमाण-पत्र निर्गत करने की व्यवस्था भी पुनः प्रारंभ की जाए। साथ ही, साहिबगंज जिले की असर्वेक्षित (दियारा) भूमि, जिसका पूर्व में विधिवत निबंधन एवं म्यूटेशन किया जाता था, वर्तमान में ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के कारण निबंधन एवं म्यूटेशन का कार्य बाधित है। जिस कारण भूमि स्वामियों को आर्थिक एवं कानूनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा राज्य सरकार को राजस्व की भी क्षति हो रही है। जाति एवं स्थानीय निवास प्रमाण-पत्र के लिए ऑनलाइन व्यवस्था के साथ-साथ ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ की जाए। साहिबगंज जिले की असर्वेक्षित (दियारा) भूमि का पूर्व की भाँति निबंधन प्रारंभ कराया जाए। ऐसी भूमि के म्यूटेशन हेतु ऑनलाइन व्यवस्था सुचारु होने तक ऑफलाइन म्यूटेशन की अनुमति प्रदान की जाए, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके तथा राज्य के राजस्व हित भी सुरक्षित रह सकें। विधायक के मांग पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मंत्री ने दूरभाष पर अपने विभाग के सचिव से वार्ता किए और जिला के पदाधिकारी को इस पर त्वरित संज्ञान लेने का दिशा निर्देश दिए हैं ताकि समस्याओं का समाधान हो सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में 25 वर्षीय महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पंचगढ़ गांव में 25 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान निशा कुमारी, पति सुमित कुमार, के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. मोहन मुर्मू ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जहां जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार निशा कुमारी बाथरूम में स्नान कर बाहर निकल रही थी, तभी उसका पैर फिसल गया और सिर में गंभीर चोट लग गई। चोट लगने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वालों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद मामले की आगे की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है।

रात के अंधेरे में चल रहा था अवैध चिरान का खेल वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा

साहिबगंज: जिले के बरहेट थाना क्षेत्र में अवैध लकड़ी के कटान और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। वही वन विभाग के कर्मी सिमलढाब गांव से 8 पीस कीमती शीशम का पाटरा और तैयार चौखट जब्त कर वन विभाग कार्यालय लाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार वन परि क्षेत्राधिकारी को पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में प्रतिबंधित और कीमती पेड़ों के अवैध कटान की शिकायतें मिल रही थीं। वही बीते दिन सोमवार को विभाग को सूचना मिली कि तस्करों द्वारा शीशम की कीमती लकड़ी को पाटरा और चौखट की तैयार कर ठिकाने लगाने या अवैध रूप से बाजार में बेचने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने संदिग्ध ठिकाने पर दबिश दी। वन कर्मियों को आते देख मौके पर मौजूद लकड़ी तस्कर और घने क्षेत्र का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, लेकिन टीम ने मौके से भारी मात्रा में चिरान की हुई लकड़ी अपने कब्जे में ले ली। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, जब्त किए गए शीशम के 8 पीस पाटरा और चौखट की कीमत बाजार में हजारों रुपये आंकी जा रही है। जब्त की गई पूरी खेप को वन परिसर लाकर सीज कर दिया गया है।अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वन अधिनियम के तहत गांव के सिमलढाब निवासी गंगा साह के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार लकड़ी तस्करों को पकड़ने के लिए विभाग की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले और अवैध लकड़ी का धंधा करने वाले माफियाओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता की मौजूदगी में बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची से संबंधित कार्यों, अभिलेखों के संधारण, त्रुटियों के निराकरण तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप कार्य करने की जानकारी दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी बीएलओ को अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं समयबद्ध तरीके से निर्वहन करने का निर्देश दिया।

जेपीएससी-जेएसएससी में कथित धांधली के विरोध में जेएलकेएम का जिला स्तरीय महाधरना

विवादित परीक्षाएं रद्द करने, सीबीआई/ईडी जांच और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया लागू करने की उठी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के आह्वान पर बोकारो जिला मुख्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली, अनियमितता व भ्रष्टाचार के विरोध में एक दिवसीय जिला स्तरीय महाधरना का आयोजन हुआ। इस प्रदर्शन में जिले के विभिन्न प्रखंडों व ग्राम पंचायतों से हजारों अभ्यर्थी, युवा और आम नागरिक उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो की अध्यक्षता में संपन्न इस महाधरना में शामिल जनसमूह ने परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और युवाओं के भविष्य की रक्षा की मांग को जोर-शोर से उठाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने सरकार से त्वरित न्यायिक कार्रवाई और दोषियों पर कड़ी सजा की मांग की। मुख्य मांगें- जेपीएससी एवं जेएसएससी द्वारा आयोजित विवादित परीक्षाएँ तत्काल रद्द की जाएँ। कथित अनियमितताओं व भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच सीबीआई अथवा ईडी से कराई जाए। जेपीएससी एवं जेएसएससी के अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों तथा संबंधित अधिकारियों व दोषी कर्मचारियों को तत्काल निलम्बित कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी व निष्पक्ष बनाई जाए। लंबित भर्ती प्रक्रियाओं के लिए शीघ्र विज्ञापन जारी कर स्पष्ट परीक्षा कैलेंडर घोषित किया जाए, ताकि युवाओं को समयबद्ध रोजगार के अवसर मिल सकें।

प्रशंसास्पद समर्थन और अपील

महाधरना के दौरान उपायुक्त कार्यालय के समक्ष पहुंचे टाइगर जयराम कुमार महतो ने छात्रों को मनोबल बढ़ाया और कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाती है तो रांची जाने का आह्वान किया जाएगा। कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय, जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर के कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थित नेताओं में अर्जुन रजवार, विजय सिंह, कृष्णा महतो, डॉ. जयदेव कुमार महतो, बप्पी मिश्रा, बलराम झा, उत्पल मंडल, पिंटू कुमार महतो, समसुद्दीन, अंसारी, शहदेव महतो और अन्य शामिल थे। वक्ताओं ने दृढ़ता से कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का अन्याय व भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और योग्य अभ्यर्थियों को निष्पक्ष न्याय दिलाया जाए। इस महाधरना का आयोजन जेएलकेएम के जिला नेतृत्व द्वारा किया गया; कार्यक्रम को सवर्ण मोर्चा के केंद्रीय महासचिव बलराम झा ने सूचना-पत्र के माध्यम से पुष्टि की। (सूचना-पत्र में बलराम झा ने अपने पदों का उल्लेख किया है।

एक नजर

चास चेकपोस्ट में जल चोरी का हुआ खुलासा अवैध मोटर जब्त

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्रांतर्गत चास चेकपोस्ट स्थित कुछ व्यावसायिक भवनों एवं होटलों द्वारा नगर निगम की जलापूर्ति पाइपलाइन में अवैध रूप से डायरेक्ट मोटर लगाकर पानी की चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। आसपास के निवासियों द्वारा शिकायत की गई कि उनके घरों तक नियमित रूप से पानी नहीं पहुंच रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही माननीय महापौर ने तत्काल एक जांच दल का गठन कर मौके पर भेजा। जांच के दौरान पाया गया कि कई प्रतिष्ठानों में चास नगर निगम की जलापूर्ति पाइपलाइन से सीधे मोटर जोड़कर पानी लिया जा रहा था, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो रही थी। कार्रवाई करते हुए जांच दल ने सभी अवैध रूप से लगाए गए मोटरों को तत्काल जब्त कर लिया। संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि नगर निगम की पाइपलाइन में डायरेक्ट मोटर लगाकर पानी लेना पूर्णतः प्रतिबंधित है। उन्हें सलाह दी गई कि वैध जल कनेक्शन के माध्यम से अपनी टंकियों में पानी का भंडारण करें, लेकिन नगर निगम की पाइपलाइन से सीधे मोटर जोड़कर जलापूर्ति न करें। चास नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस जांच एवं कार्रवाई के दौरान चास नगर निगम के कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा की दी गई जानकारी

पटमदा : बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सम्बन्ध एक आवश्यक बैठक प्रखंड सभागार में आयोजित किया गया। इस बैठक में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वाई से संबंधित सभी जानकारी कृषक मित्र , सी एस सी केंद्र संचालक, जनसेवक आदि को दिया गया। गौरतलब हो कि बीमा भरने की अंतिम तारीख 31 अगस्त रखा गया है। बैठक में प्रभारी बीडीओ सह सीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास, बीएओ देव कुमार सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित

ईचागढ़ : विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर ईचागढ़ प्रखंड में आईसीडीएस, टीएसएफ एवं मानसी+ के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार तथा दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई गई। गोदभराई कार्यक्रम में कृष्णा देवी एवं ममता बिन्हा को सम्मानित किया गया, जबकि प्रेमलता घोष के बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को शिशु के जन्म के तुरंत बाद स्तनपान कराने, पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने तथा मातृ एवं शिशु पोषण के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में टीएसएफ मानसी+ की ओर से मानसी मित्रा कुमारी बिंदुमति मुंडा, राकेश मंडल एवं गुणधर महतो की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, स्वास्थ्यकर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

पेटरवार में भाजपा ने 'रज कलश रथ यात्रा' का किया भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पेटरवार : पेटरवार के छत्रु राम महतो चौक पर मंगलवार को शाम 5:30 बजे भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650 वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी से लाई गई पवित्र मिट्टी (रज) से सुशोभित 'रज कलश रथ यात्रा' का भव्य स्वागत किया गया।इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के समानता, सामाजिक न्याय, भाईचारे और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। वाराणसी से प्रारंभ हुई यह पवित्र रज कलश यात्रा रांची से बोकारो जाने के क्रम में पेटरवार पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और जयघोष के साथ रथ का स्वागत किया।भाजपा कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रथ यात्रा को आगे के लिए रवाना किया। उपस्थित लोगों ने संत रविदास के बताए समरसता, समानता और मानवता के मार्ग पर चलने तथा उनके विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राज, प्रभारी लक्ष्मण नायक, प्रहलाद महतो, रवि शंकर जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार, जिला महामंत्री संजय सिन्हा, मनोज ठाकुर, संजय त्यागी, अभय कुमार (गोलू), राजेश पांडे, धनुलाल महतो, पंकज कुमार सिन्हा, राजेंद्र महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोकारो स्टील सिटी के एलोरा हॉस्टल में आग लगने से हजारों की संपत्ति जलकर खाक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी स्थित एलोरा हॉस्टल के आवास संख्या T2/5 में मंगलवार को सुबह के समय आग लग गई। स्थानीय निवासियों और हवाले से मिली जानकारी के अनुसार आग से हजारों रुपये कीमत की घरेलू वस्तुएं जलकर खाक हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही झारखंड सरकार तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के अग्निशमन दस्ते की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और सीआईएसएफ के जवानों ने मोर्चा संभाला। कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन टीम ने आग पर काबू पा लिया। घर मालिक रिटायर्ड पुलिस कर्मी व 1984 के दंगा पीड़ित दर्शन कौर ने बताया कि उन्हें पहले जलने की गंध महसूस हुई, इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया और आग बढ़ती देख अग्निशमन विभाग को सूचना दी गयी। आग की लपटे फ्रिज से शुरू हुई और फिर अन्य घरेलू सामानों तक फैल गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारी शिव नारायण लोहरा ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर पहुंचने के कारण जान का कोई नुकसान नहीं हुआ किंतु सामग्री की पूर्ण तरह से सुरक्षा नहीं हो सकी, लेकिन बड़े हादसे को टाला जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर प्रशासनिक अधिकारी और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे और प्रभावित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध करायी गयी। अग्निशमन टीम ने घटनास्थल पर धुँए को नियंत्रण में लाकर समपन्न निरीक्षण किया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है तथा आगे की जांच के लिए रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने निवासियों से विद्युत उपकरणों की नियमित जाँच, ओवरलोडिंग न करने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए हैं ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ रोकी जा सकें।

चलकरी के ग्रामीणों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड आंदोलन के अगुवा योद्धा दिसुम गुरु शिबू सोरेन को चलकरी के ग्रामीण जनता की ओर से आज पंचायत भवन परिसर में श्रद्धांजलि अर्पित्त किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक मंडल ने किया। जबकि संचालन राज केवट ने किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता और झारखंड आंदोलनकारी उपस्थित हुए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कोलियरीयों के निजीकरण के दौर से दिसुम गुरु शिबू सोरेन का चलकरी से गहरा लगाव था। उनकी साफ समझ थी कि चलकरी में कोयले की अकूत भंडार के बावजूद यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है झारखंड अलग राज्य होने से कोयला पानी और रोजगार का अधिकार यहां के लोगों को होगी। वर्ष 1975 में निजी कंपनियों के खिलाफ स्थानीय लोगों के रोजगार के सवाल पर चलकरी में कोयला खनन बंद कराने की लड़ाई बड़ा आंदोलन था। इस आंदोलन में हजारों लोग एकजुट हुए जिसके चलते ही झारखंड आंदोलन में चलकरी एक मजबूत केंद्र के रूप में उभरा। कई मुकदमों में नामजद और अज्ञात सैकड़ों लोगों पर मुकदमे हुए 100 से अधिक लोग जेल में बंद रहे। चलकरी की प्रतिष्ठा और इज्जत शोषकों से बचाने में गुरु जी की उल्लेखनीय योगदान रहा है। अब इनके निधन के बाद शौक को शक्ति में बदलकर गुरु जी के सपनों को साकार करने का संकल्प लेना ही गुरु जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। झामुमो व विस्थापित नेता काशीनाथ केवट, भाकपा माले नेता भुवनेश्वर केवट, कांग्रेस नेता अशोक मंडल , निमायचंद्र मंडल, कुतुबुद्दीन अंसारी चलकरी युवा नेता राज केवट, पंचायत समिति चलकरी इन्द्रजीत मंडल, चुनीलाल केवट रूपलाल केवट मनोज केवट चलकरी के प्रबुद्ध नागरिक , नितेश कुमार मंडल, बैजनाथ सिंह, गुजर सिंह खुबलाल नायक रामदेव केवट,आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महेशपुर में झामुमो ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महेशपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कार्यालय, महेशपुर में मंगलवार को प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद के नेतृत्व में पद्म भूषण से सम्मानित, झारखंड आंदोलन के प्रणेता एवं झामुमो के संस्थापक दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित झामुमो पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों ने बारी-बारी से गुरुजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके संघर्षमय जीवन, झारखंड आंदोलन में ऐतिहासिक योगदान तथा आदिवासी, दलित, पिछड़े, गरीब एवं वंचित समाज के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपना संपूर्ण जीवन अलग झारखंड राज्य के निर्माण, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय और सम्मान दिलाने के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचार, संघर्ष और जनसेवा की भावना आज भी सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यदि झामुमो का प्रत्येक कार्यकर्ता गुरुजी के बताए मार्ग पर ईमानदारी, समर्पण और सेवा भाव से कार्य करे, तो वही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कार्यकताओं से गुरुजी के सपनों का झारखंड बनाने तथा आम जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

डीपीएस बोकारो की प्राइमरी विंग का तीनदिवसीय सांस्कृतिक उत्सव शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सोलह मात्रा का जटिल तीनताल हो या दस मात्रा की कसौटी वाला झपताल, जब नन्हे उस्तादों ने तबले पर हाथ आजमाया, तो देखने वाले बस देखते ही रह गए। अवसर था दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो की प्राइमरी इकाई के सांस्कृतिक उत्सव 'धरोहर' का। मंगलवार को अंतर-सदन समूह तबलावादन के साथ इस संगीतमय उत्सव की शुरूआत हुई।

इसमें दूसरी कक्षा से पांचवीं तक के सभी छह सदनों के बाल संगीत-साधकों ने अद्वितीय लयकारी और उत्साह का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे, आकर्षक व भव्य पारंपरिक परिधानों में सजे-संवरे तबला के नन्हे उस्तादों की छोटी-छोटी नाजुक उंगलियों से तीन ताल और झपताल के क्लिष्ट बोल ऐसे प्रस्फुटित हो रहे थे, मानो ताल और लय के किसी झरने से अमूल्य स्वर-बूंदें बरस रही हों। नन्हे वादकों की यह प्रस्तुति उनके कठिन परिश्रम, अनवरत साधना और शास्त्रीय लयबद्धता की उत्कृष्ट मिसाल पेश कर रही थी। बोलपढ़ंत, आपसी सामंजस्य, लयकारी और निकास सहित विभिन्न मापदंडों के आधार पर इस स्पर्धा में जमुना सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि गंगा और रावी सदन की टीमों ने संयुक्त रूप से उपविजेता बनने का गौरव पाया। वहीं, चेनाब हाउस की टीम तृतीय स्थान पर रही। इसके पूर्व, समारोह का औपचारिक शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार को फल-उपहार भेंटकर किए गए आत्मीय स्वागत एवं पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्य ने बच्चों के प्रदर्शन और उनके आत्मविश्वास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए अपनी प्रतिभा को इसी प्रकार निरंतर परिश्रम से निखारने की प्रेरणा दी। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में छात्राओं की और अधिक भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि आज कला और संगीत के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं हैं। विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र देते हुए उन्होंने अनुशासन को सपनों और सफलता के बीच का सबसे मजबूत सेतु बताया तथा स्वयं पर अटूट विश्वास रखते हुए बगैर दूसरों से तुलना किए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया। उक्त प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली में सीनियर विंग के वरिष्ठ संगीत शिक्षक भास्कर रंजन डे, विक्की आनंद पाठक एवं मृत्युंजॉय भट्टाचार्य शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात से धान रोपनी कर रहीं पांच महिलाएं घायल, सभी खतरे से बाहर

जरिडीह : बोकारो जिले जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत भस्की पंचायत के योगीडीह गांव में शाम धान रोपनी के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से पांच महिलाएं घायल हो गईं। घटना उस समय हुई, जब खेत में काम कर रहीं महिलाओं पर अचानक मौसम बिगड़ गया। तेज बारिश के बीच जोरदार आकाशीय बिजली गिरने से 40 वर्षीय शुकरमुनी देवी, 27 वर्षीय कविता कुमारी, 18 वर्षीय सुनीता कुमारी, 50 वर्षीय सकरमनी देवी तथा 50 वर्षीय बेलमुनि देवी इसकी चपेट में आ गईं। घटना के बाद खेत में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को जैनामोड़ रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि सभी महिलाएं खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। सूचना मिलते ही मनोज सिंह, जगतपति सिंह, बेरमो विधायक के निजी सचिव बिनोद महतो तथा भस्की पंचायत के मुखिया मंटू मरांडी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

आसनबनी में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रथम पुण्यतिथि मनी, श्रद्धांजलि दी

तलगडिया : हक अधिकारों की आवाज झारखण्ड पुर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि मंगलवार को आसनबनी, तिरंगा मोड़ पर मनाया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. अध्यक्षता झामुमो संस्थापक सदस्य सह झारखण्ड आन्दोलनकारी नेता दुर्गा चरण महतो ने किया। संचालन जेएलकेएल नेता अंकित कुम्भकार ने किया। वहीं किसान नेता सह चन्दनकियारी के पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार ने उनके चित्र पर भाविनी श्रद्धांजलि अर्पण के उपरांत कहा कि झारखण्ड अलग राज्य आन्दोलन के दौरान पहली बार आसनबनी के इसी माटी में 18 नवम्बर 1978 को बिनोद बिहारी महतो, कॉ. ए.के. राय, शिबू सोरेन, हारु रजवार, के.एस. चटर्जी, शशी भूषण बाउरी, शिवा महतो, आनन्द महतो ने चन्दनकियारी क्षेत्र की शोषित, पिड़ित, वंचितों की हक अधिकार और आत्मिय सम्मान की सुरक्षा के लिए पहली जन सभा को सम्बोधित कर हमें राजनीतिक से प्रेरित किया। झारखण्ड राज्य गठन की 26 वीं साल की दौर में गुजर रहा है। जहां वैसे लोग बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर है। वैसे दौर में स्वर्गीय सोरेन की विचारों को आत्मसात कर उनके द्वारा दिखाए गए आन्दोलन कि राह पर चलने की संकल्प लेने की जरूरत है।मौके पर अधिवक्ता महावीर रजवार, राजु टुडू, राधु बाउरी, राम प्रसाद मांझी, प्रदीप गोस्वामी, आलिमुद्दीन अंसारी, प्रफुल्य कुम्भकार, शक्ति पद रजवार, युधिष्ठिर टुडू, दुर्गा बाउरी, धनंजय रजवार, काली चरण रजवार, दिलीप महतो, अर्जुन महतो, उमेश बाउरी, खेतु बाउरी, भीम महतो, धिरेन बाउरी आदि मौजूद रहे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल में करियर मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित

बोकारो : डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर में मंगलवार को छात्रों का सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन एनडीटीवी के नरेंद्र मिश्रा सेमिनार को संबोधित करते हुए छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और करियर काउंसलिंग के बारे में जानकारी दी उन्होंने छात्रों को समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। साथ ही दसवीं कक्षा की पढ़ाई करने के बाद अपने करियर का चुनाव करने पर भी ध्यान देने को कहा इसके पूर्व रिसोर्स पर्सन समेत स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का विधिवत उद्घाटन किया। प्राचार्य ने रिसोर्स पर्सन को पौधा देकर उनका स्वागत किया। रिसोर्स पर्सन ने कहा सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारण जरूरी है छात्रों को अपने स्तर से कैरियर का चुनाव करना चाहिए मौके पर उप्राचार्य आलोक चतुवेर्दी, बिंदु सिंह, सरिता सिंह', गीता सिंह, विभा रानी, साक्षी कुमारी, माधुरी कुमारी, रीता पांडे आदि शामिल रहे।

एक रुपये में हजारों शिवभक्तों को कराए जाएंगे बाबा गौरीनाथ के दर्शन: देव शर्मा

बोकारो : युवा लायंस फोर्स केंद्रीय कमेटी की बैठक बोदरो स्थित आवासीय कार्यालय में हुई। जिसकी अध्यक्षता अलकुशा पंचायत के मुखिया रोहित रजक एवं संचालन रंजित शर्मा ने किया। जिसमें मुख्य रूप से युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह कॉंग्रेस नेता देव शर्मा मौजूद थे। श्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक साल की भांति इस साल भी युवा लायंस फोर्स द्वारा बोल बम के जत्थे को 9 अगस्त दिन रविवार को मात्र एक रुपए में सभी श्रद्धालुओं को पोशाक, गमछा कांवर के अलावा गाड़ी, चिकित्सा, फल, मिठाई समेत अन्य कई तरह की खाने पीने की सुविधा दी जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से हमारा संगठन यह सेवा दे रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र या असहाय और दूर दराज के लोगों को देखते हुए किया गया था। जो पैसे के अभाव में भगवान शंकर जी के दर्शन नहीं कर पाते थे। उन्होंने बताया कि इस बार हमारा कार्यक्रम बंगला सावन के अंतिम सोमवारी पे बहुत ही धूमधाम से होता, लेकिन चास के समाजसेवी , और डाक बम सेवा समिति को पूरे देश में एक अलग पहचान दिलाने वाले शिवभक्त और हमारे बेहद करीबी अजय राय जी का असमय मृत्यु हो जाने से इस कार्यक्रम को हमलोग 09/08/2026 दिन रविवार को कर रहे हैं , जिसमे सिर्फ.सोभा यात्रा को स्थगित कर दिया गया हैं , साथ ही सभी शिवभक्तों को उनके पोशाक, कावर आदि एक दिन पहले उनके घरों तक हमारे संगठन द्वारा पहुँचा दिया जाएगा , और पहली बार कांड्रा के समीप बिशाल सेवा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमे मुख्य रूप से बोकारो ही नहीं पूरे झारखंड के मशहूर कलाकार सुदेश सिंह मौजूद रहेंगे , जिससे पूरा माहौल भक्तीमय से भरा रहेगा, हमारे कैंप के साथ साथ बाहन सेवा दलों में भी पूर्व की भाँति ही सभी जरूरत की चीज उपलब्ध कराई जाएगी।

एक नजर

भ्रामक खबरों से रहें सतर्क, बिना पुष्टि खबर प्रसारित करने पर होगी कार्रवाई

चतरा : पुलिस अधीक्षक चतरा ने जिलेवासियों एवं सोशल मीडिया तथा अन्य मीडिया मंचों से जुड़े लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक, अपुष्ट अथवा गलत सूचना के प्रसारण से बचें। किसी खबर या सूचना को सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर साझा या प्रसारित करने से पहले उसकी आधिकारिक पुष्टि अवश्य कर लें। एसपी ने स्पष्ट किया कि बिना आधिकारिक पुष्टि के किसी संवेदनशील अथवा भ्रामक खबर का प्रसारण करने से आम लोगों में भ्रम एवं अफवाह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका रहती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने वाली किसी भी सूचना को सत्य मानकर आगे साझा न करें। विशेष रूप से संवेदनशील मामलों में संबंधित विभाग अथवा प्रशासन-पुलिस से आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने के बाद ही खबर का प्रसारण करें। एसपी चतरा ने चेतावनी दी कि जानबूझकर भ्रामक या अपुष्ट खबरें प्रसारित कर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

7 अगस्त तक विशेष शिविर, जाति-आय-निवासी व ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र होंगे जारी

चतरा : राज्य सरकार के निदेर्शानुसार चतरा जिले के सभी अंचलों में 3 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान के तहत जाति, आय, स्थानीय निवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाण-पत्र के निर्गत एवं वितरण के लिए विशेष शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इस संबंध में अपर समाहर्ता, चतरा द्वारा सभी अंचल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विशेष अभियान के दौरान नए प्राप्त आवेदनों के साथ-साथ लंबित आवेदनों का भी प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जा रहा है। पात्र आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करना है। निर्देश के अनुसार जिले के सभी अंचल कार्यालयों में प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर चतरा समाहरणालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में 'दिशोम गुरु' स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त रवि आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने आदिवासी समाज के अधिकारों, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के लिए अपना पूरा जीवन संघर्ष को समर्पित किया। उनके विचार और योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए बुलंद आवाज उठाने वाले एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक स्वर्गीय शिबू सोरेन को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से मरणोपरांत सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि यह सम्मान जून माह में राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से उनकी धर्मपत्नी रूपी सोरेन ने ग्रहण किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन किया। इस दौरान उनके द्वारा समाज और झारखंड राज्य के लिए किए गए योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

बिजली कटौती के खिलाफ हंटरगंज में जनाक्रोश कैंडल लेकर सड़क पर उतरे सैकड़ों उपभोक्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : हंटरगंज में लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ मंगलवार को लोगों का आक्रोश सड़क पर देखने को मिला। अनियमित बिजली आपूर्ति से परेशान सैकड़ों उपभोक्ता कैंडल और मोमबत्तियां लेकर सड़क पर उतरे और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि जब उपभोक्ता समय पर बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं, तो उन्हें नियमित बिजली आपूर्ति क्यों नहीं मिल रही है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हंटरगंज में पिछले कई दिनों से प्रतिदिन 18 से 20 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। इसके साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शाम होते ही बिजली गुल होने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कामकाज, छोटे कारोबार और किसानों के कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने कहा कि समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी गई, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। लोगों का कहना है कि बिजली संकट का असर पेयजल आपूर्ति, व्यापार, खेती और आम जनजीवन पर भी पड़ रहा है। आंदोलनकारियों ने बिजली विभाग और प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो बिजली कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इसके अलावा 7 अगस्त को हंटरगंज के सभी प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध दर्ज कराने और 9 अगस्त को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की गई है। प्रदर्शन में व्यवसायी, किसान, युवा और बड़ी संख्या में बिजली उपभोक्ता शामिल हुए। लोगों ने स्पष्ट किया कि नियमित बिजली आपूर्ति बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर चतरा में झामुमो कार्यकर्ताओं ने निकली श्रद्धांजलि रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी, चतरा के तत्वावधान में श्रद्धांजलि रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत चतरा स्थित झामुमो जिला कार्यालय से हुई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नगवा स्थित शिबू सोरेन चौक (गोल चक्कर) पहुंची। यहां पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर झामुमो जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञानसेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का झारखंड आंदोलन एवं राज्य निर्माण में योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में उनके समर्थक और शुभचिंतक पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। चतरा में भी उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शिबू सोरेन चौक का नामकरण किया गया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि गुरुजी के संघर्ष, विचार और जनसेवा की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगवा चौक पर जल्द ही उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही झामुमो कार्यकताओं द्वारा गांव-गांव अभियान चलाकर स्वर्गीय शिबू सोरेन के आदर्शों, संघर्ष और योगदान से लोगों को अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान झामुमो नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्वर्गीय शिबू सोरेन के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके विचारों और जनसेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि रैली में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, महिला मोर्चा, युवा संगठन, छात्र संगठन सहित बड़ी संख्या में झामुमो समर्थक मौजूद रहे।

माओवादी साजिश नाकाम, हथियार व आगजनी की सामग्री के साथ दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा/प्रतापपुर : चतरा पुलिस ने भाकपा माओवादी संगठन को दोबारा सक्रिय करने की कथित साजिश को समय रहते विफल करने का दावा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो संदिग्ध माओवादी समर्थकों को हथियार, जिंदा कारतूस और आगजनी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के साथ गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी मंगलवार को एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने दी। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त को एसपी अनिमेष नैथानी को सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध युवक कुन्दा से प्रतापपुर-जोरी होते हुए भुईयांडीह की ओर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से जा रहे हैं। सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने प्रतापपुर-कुन्दा मुख्य मार्ग पर बलवादोहर गांव के समीप एंटी क्राइम चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान कुन्दा की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही बाइक सवार दोनों युवक तेज गति से भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुन्दा थाना क्षेत्र के कोजरम निवासी सुरेन्द्र गंझू 22 वर्ष और करिल गड़वा निवासी संजय गंझू 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे कथित तौर पर माओवादी जोनल कमांडर मनोहर गंझू के निर्देश पर भुईयांडीह घाटी में फायरिंग कर दहशत फैलाने तथा मालवाहक वाहनों में आग लगाने के उद्देश्य से जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य इलाके में भय का माहौल पैदा कर माओवादी संगठन की सक्रियता दिखाना था। एसडीपीओ ने बताया कि जिले में लगभग समाप्ति की ओर पहुंच चुके भाकपा माओवादी संगठन को दोबारा सक्रिय करने के लिए नए युवकों को संगठन से जोड़ने के प्रयास की भी जांच की जा रही है।

बरही चौक अब शिबू सोरेन चौक के नाम से जाना जाएगा : बिनोद विश्वकर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को बरही चौक पर एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान झामुमो के नेताओं एवं कार्यकताओं ने गुरुजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर झामुमो के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बिनोद विश्वकर्मा ने कहा कि बरही चौक अब से शिबू सोरेन चौक के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह झारखंड के जननायक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड राज्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव, झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया, जिला सचिव नीलकंठ महतो, केंद्रीय सदस्य विकास राणा, इजहार अंसारी, मो. यासीन खान, वरिष्ठ नेता मनोहर राम, फलतान खान, बरही प्रखंड अध्यक्ष देवानंद कुमार, चौपारण प्रखंड अध्यक्ष उज्ज्वल सिंह, पदमा प्रखंड अध्यक्ष नजीर अहमद, संजय गुप्ता, निसार अहमद, सुखदेव यादव, गयूर अली, मो. इजहार, मो. मनोवर, मो. असगर, मनोज केसरी, गोविंद भगत, जगदीश सिंह, रमेश पासवान, संजय पासवान, धर्मेंद्र ठाकुर, इंद्र मल्हार सहित हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे। उपस्थित सभी लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस निर्णय का हृदय से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया।

शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, संघर्षों को किया याद

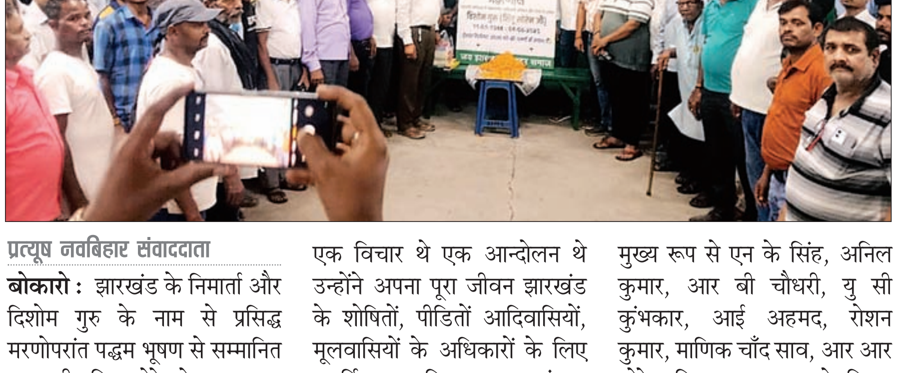

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के निमार्ता और दिशोम गुरु के नाम से प्रसिद्ध मरणोपरांत पद्धम भूषण से सम्मानित आदरणीय शिबू सोरेन के प्रथम पुण्य तिथि पर "जय झारखंड मजदूर समाज" कार्यालय सेक्टर - 9 में श्राद्धा पूर्वक मनाया गया, इस अवसर पर उनके संघर्ष, बलिदान, और उनके बताए रास्तों को याद करते हुए नमन और पुष्पांजलि अर्पित किया गया। यूनियन के महामंत्री वि के चौधरी ने अपने वाणी में कहा कि गुरु जी एक व्यक्ति नहीं एक विचार थे एक आन्दोलन थे उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड के शोषितों, पीडितों आदिवासियों, मूलवासियों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया, जल, जंगल, जमीन के रक्षा के लिए उन्होंने जो हुंकार भरी थी, उसी का परिणाम है कि आज हम एक स्वतंत्र और अलग राज्य में साँस ले रहे हैं, आज का दिन हम सब मिलकर संकल्प ले कि गुरुजी के बताए एकता, संघर्ष और सेवा के मार्ग पर चलेंगे, तथा एक खुशहाल झारखंड के निर्माण में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एन के सिंह, अनिल कुमार, आर बी चौधरी, यु सी कुंभकार, आई अहमद, रोशन कुमार, माणिक चाँद साव, आर आर सोरेन ,विजय साव, आर के मिश्रा, विनोद कुमार, सुभाष चंद्र महतो, अभिमन्यु माँझी, संजय कुमार, सुनील चौधरी, नासिर अहमद, बरिया तेली, मोहम्मद इमारन अंसारी, चितु मोदक, मंजीत कुमार ,शंभू प्रसाद, नूर मोहम्मद सुभाष चंद्र बाउरी, राजेश कुमार सिंह, नीरज कुमार , सतेंदर कुमार, इत्यादि उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो परिवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला एवं बोकारो महानगर इकाई द्वारा पद्म भूषण, 'दिशोम गुरु' स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों में श्रद्धांजलि सभा एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के तहत जरूरतमंद बच्चों के बीच कॉपी-पेन एवं शिक्षण सामग्री बांटी गई, साथ ही गरीबों के बीच फल वितरण किया गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा, झारखंड राज्य के निमार्ता, पितामह और हम सभी के अभिभावक आदरणीय दिशोम गुरु जी भले ही आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें और उनका त्याग झारखंड के एक-एक व्यक्ति के दिल में हमेशा जीवित रहेगा। झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने गुरु जी को नमन करते हुए कहा, "दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार थे। उनके सपनों के झारखंड का निर्माण आज राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में हो रहा है। गुरु जी का सपना था—हरा-भरा समृद्ध झारखंड, हर हाथ को काम और हर बेरोजगार को रोजगार। झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा कि आज हेमंत सोरेन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से विकास की किरण राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही है। श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार, बीके चौधरी, जय नारायण महतो, हीरालाल मांझी, अशोक मुर्मू, इकबाल अहमद, विजय रजवार, जिला सचिव मुकेश महतो, कांग्रेस जिला अध्यक्ष जवाहरलाल महथा, मोहन मुर्मू, हसन इमाम, घुनू हांसदा, मिथुन मंडल, राकेश सिन्हा, आकाश टुडू, प्रमोद तापड़िया, भागीरथ शर्मा, सदानंद गोप, फिरोज अंसारी, सोहेल अंसारी, समरेश झा,भरत यादव,मजहर अंसारी, आलम अंसारी, कलीम अंसारी, भीम सोरेन, रामू सोरेन, पुनीत विश्कर्मा, श्रेष्ठ ठाकुर, दीपक यादव, दीपक बंसल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बारिश से इटखोरी की मुख्य सड़क बनी जलमग्न घुटने भर पानी में आवागमन को मजबूर लोग

इटखोरी : जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण इटखोरी प्रखंड के निचले इलाकों की स्थिति बदतर हो गई है। चट्टी रोड पर भारी जलजमाव के कारण पांच पंचायतों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह पानी में डूब गई है। सड़क पर घुटने तक पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह सड़क इटखोरी, धुना, कोनी और परसोनी पंचायत के साथ-साथ चौपारण प्रखंड के मुड़िया एवं पथलगड़ा जैसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है। जलजमाव के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। महिलाएं और बुजुर्ग भी मजबूरी में घुटने भर पानी से होकर गुजरने को विवश हैं। सड़क पर पानी भर जाने से आसपास के दुकानदारों का कारोबार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ग्राहकों की आवाजाही लगभग बंद होने से दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क के साथ नाली का निर्माण करा दिया जाता तो जलजमाव की यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से तत्काल पानी निकासी की समुचित व्यवस्था कराने तथा स्थायी समाधान के लिए सड़क किनारे नाली का निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक जलजमाव रहने से गंदगी और जलजनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

एक शिक्षक के भरोसे 40 बच्चों की पढ़ाई, हंटरगंज के घुधीटांड स्कूल में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित

हंटरगंज : हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय घुधीटांड में मात्र एक शिक्षक के पदस्थापित रहने का मामला सामने आया है। विद्यालय में कुल 40 बच्चों का नामांकन है, जबकि प्रतिदिन करीब 35 बच्चे विद्यालय पहुंचते हैं। बच्चों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की कमी के कारण विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, एक ही शिक्षक के भरोसे विद्यालय का संचालन होने से बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय की अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी प्रभावित होती हैं। एक शिक्षक के लिए अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक आनंद कुमार ने बताया कि अकेले विद्यालय संभालने में काफी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि जब किसी दिन विभागीय कार्य से बाहर जाना पड़ता है, तो विद्यालय का संचालन बंद करके जाना मजबूरी हो जाती है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से विद्यालय में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग की है, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो सके और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। ग्रामीणों का सवाल है कि जब सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की बात कर रही है, तो एक शिक्षक के भरोसे चल रहे विद्यालय में बच्चों का भविष्य कैसे संवरेगा? लोगों ने जल्द से जल्द अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना कर समस्या का समाधान करने की मांग की है।

सिमरिया में अकीदत और गमगीन माहौल में चेहल्लुम, 'या हुसैन' के नारों से गूंजा इलाका

सिमरिया : सिमरिया प्रखंड में चेहल्लुम का पर्व अकीदत और गमगीन माहौल में मनाया जा रहा है। पर्व की पूर्व संध्या पर प्रखंड के लिपदा, सबानो, फतहा और बन्हें टांड़ स्थित विभिन्न अखाड़ों की ओर से भव्य मातमी जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान 'या हुसैन' के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। धर्मावलंबियों ने कर्बला के शहीद हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत के 40वें दिन उन्हें याद करते हुए गहरी अकीदत पेश की। जुलूस में शामिल लोग इमाम हुसैन की शहादत के गम में डूबे नजर आए। इस बार मातमी जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों की ताशा पार्टियों के बीच बेहतर वादन का मुकाबला भी देखने को मिला। ताशा वादकों ने पारंपरिक एवं मातमी धुनों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। अखाड़ों के बीच हुई इस स्वस्थ प्रतियोगिता को देखने और ताशे की गूंज सुनने के लिए सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय लोगों ने ताशा वादकों की प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया। इस दौरान अखाड़ा कमेटियों और स्थानीय लोगों की ओर से पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने पर जोर दिया गया। अखाड़ा कमेटियों के अनुसार, मंगलवार की रात लोग अपने-अपने क्षेत्र के इमामबाड़ों में जुटेंगे। यहां मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ के साथ हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए फातिहा-नियाज का दौर चलेगा। चेहल्लुम का आधिकारिक समापन सिमरिया में बुधवार और डाड़ी में गुरुवार को होगा। सिमरिया के पारंपरिक कर्बला मैदान में सभी अखाड़े अपने-अपने निशान के साथ जुटेंगे, जहां अंतिम फातिहा पढ़ी जाएगी। इस अवसर पर कर्बला मैदान में विशाल मेले का भी आयोजन होगा, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्व को लेकर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद है।

होमगार्ड मेडिकल जांच में अवैध वसूली का आरोप प्रशासन ने दो लोगों पर प्राथमिकी का दिया निर्देश

चतरा : नव चयनित होमगार्ड जवानों की मेडिकल जांच के नाम पर कथित अवैध वसूली के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर चतरा के प्रभारी बीडीओ मनोज कुमार गोप ने मामले में दो लोगों के विरुद्ध सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नव चयनित होमगार्ड जवानों की मेडिकल जांच एवं प्रमाणपत्र सत्यापन का कार्य जिला समादेष्टा होमगार्ड कार्यालय, चतरा में 25 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। इसी दौरान मेडिकल जांच के नाम पर अभ्यर्थियों से 2 हजार से 6 हजार रुपये तक की कथित अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली।

चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव, पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं।

दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।'

पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।'

जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, हालांकि उस मैच

में भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। श्रीलंका में होने वाली आगामी सीरीज में जडेजा नवंबर 2025 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे, उस समय उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की दो मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लिया था।

नीरज चोपड़ा अब लुसाने डायमंड लीग में आएंगे नजर, श्रीलंका और पाकिस्तानी खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैम्पियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे। आयोजकों ने कहा, 'पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था।

इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत, बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि

गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।' पठान ने इस साल रणजी ट्रॉफी फाइनल का उदाहरण देते हुए कहा कि नबी ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर ऐतिहासिक खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'रणजी ट्रॉफी फाइनल में हमने देखा कि उसने अनुभवी लोकेश राहुल को परेशान किया। भले ही उसे विकेट नहीं मिला, लेकिन उसने बल्लेबाज को सामान्य तरीके से रक्षात्मक बल्लेबाजी करने पर मजबूर किया और फिर आउट किया।'

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत , खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल आज स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर

प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधू को नौवी, सात्विक-चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरूष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैम्पियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन

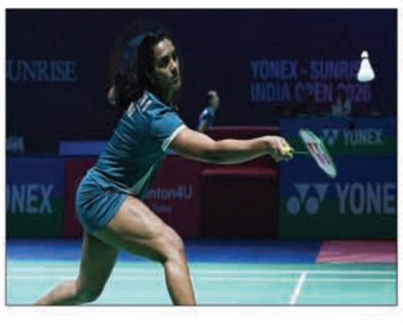

टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक-चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरूष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरूष एकल विश्व चैम्पियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेइ को चौथी वरीयता दी गई है। चैम्पियनशिप के ड्रॉ बुधवार को निकाले जाएंगे। अगर कोई वरीय खिलाड़ी उससे पहले नाम वापिस लेता है तो वरीयता क्रम बदल सकता है।

आईसीसी ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने अखिलेश पर यह प्रतिबंध मैच फिक्सिंग के प्रयास और जांच के दौरान सबूतों को मिटाने के आरोपों के बाद लगाया गया है। इस फैसले के बाद रेड्डी 21 नवंबर 2033 तक किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनका निलंबन 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। इस प्रतिबंध से अखिलेश का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर पर साल 2025 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्सिंग के प्रयास के आरोप लगे थे। अखिलेश ने एक साथी खिलाड़ी को जानबूझकर गेंदबाजी के दौरान रन देने और खराब प्रदर्शन करने को कहा था हालांकि उस खिलाड़ी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। साथ ही आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) को इसकी जानकारी दी थी। इसी शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें अखिलेशको दोषी पाया गया। इतना ही नहीं, जब मामला प्रकाश में आया और जांच शुरू हुई, तो रेड्डी ने अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिए, जिससे सबूत मिटाने का अतिरिक्त आरोप लगा। 26 वर्षीय अखिलेश रेड्डी भारत के हैदराबाद शहर से हैं। उन्होंने भारत में घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है और विजय हजारे ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल फेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर के रूप में भी जुड़े थे। बेहतर अवसरों की तलाश में वह अमेरिका आये थे और वहां की राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिल गयी थी। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए चार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें एक विकेट लिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक ट्रिब्यूनल ने रेड्डी को तीन अलग-अलग गंभीर मामलों में दोषी पाया है। पहला आरोप मैच को गलत तरीके से प्रभावित करने या फिक्स करने की कोशिश करना था। दूसरा, उन्होंने एक अन्य खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए कहा। तीसरा और बेहद गंभीर आरोप यह था कि उन्होंने जांच शुरू होने पर अपने मोबाइल से व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड सहित अहम डेटा डिलीट कर सबूत मिटाने की कोशिश की।

जय शाह ने तंजानिया में आईसीसी के पहले क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन जय शाह ने अफ्रीकी देश तंजानिया में ऐतिहासिक क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया है। शाह ने

यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम में तंजानियाई क्रिकेटएसोसिएशन (टीसीए) के नए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया है। ये तंजानिया का पहला आईसीसी मान्यता प्राप्त क्रिकेट स्थल है। इस क्रिकेट स्थल के खेलने से तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट का विकास तेजी से होगा। शाह ने कहा कि इस स्थल के आने से खेल में एक बड़ा बदलाव आयेगा।

आईसीसी चेयरमैन ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में विश्व स्तरीय क्रिकेट ढांचा तैयार हो पाया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मान्यतप्राप्त क्रिकेट स्थल। इस शानदार स्थल का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। इस उद्घाटन समारोह में जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया के संस्थापक व यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी उपस्थित थे।

यह नया एरिना नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करेगा, जो तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा देगा। इसके साथ ही, यह पूरे देश में जमीनी स्तर (ग्रासरूट) और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा, जिससे नई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल होगा।

तंजानिया में पहले से ही 27 क्रिकेट स्थल और 119 सक्रिय कोच व 75 अंपायर हैं। सहयोग प्राप्त है। यहां क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। इससे यहां सक्रिय खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से

अधिक हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है। देश की अंडर-19 पुरुष टीम ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, जिससे तंजानिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता का अंदाजा होता है।

अमेरिका के टेलर फिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका के तीसरी वरीयत प्राप्त टेलर फिट्ज ने स्पेन के उभरते टेनिस खिलाड़ी राफेल जोदार को हराकर वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता है। ।फिट्ज ने पुरुष एकल फाइनल में जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर 11वां एटीपी टूर खिताब जीता। यह जीत फिट्ज के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चार साल बाद एटीपी 250 से ऊपर के स्तर पर वह कोई खिताब जीतने में सफल रहे हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में अपनी शानदार सर्विस गेम से मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में फिट्ज ने अपनी आक्रामक रिटर्न और मैदानी स्ट्रोक्स के जरिये हमला बोलकर स्पेनिश खिलाड़ी जोदार को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया और 7-2 से टाईब्रेक जीतने के साथ ही बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे सेट की शुरुआत में फिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर इसके बाद वह मुकाबले में हावी हो गये। मुकाबले के अंतिम गेम में फिट्ज ने एक ब्रेक अंक बचाया और अपने अपने पांचवें मैच अंक पर जीत दर्ज की। इस कड़े मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फिट्ज उत्साहित हो गये। । इस जीत के साथ ही फिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब अपने नाम किया था। इस खिताबी जीत के बाद फिट्ज को एटीपी रैंकिंग में लाभ मिला है। वह दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनका लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट को जीतना रहेगा।

पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित

पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मागे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु । आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी।

नेमार क्लब फुटबॉल से भी लेंगे संन्यास? ब्राजीलियाई स्टार ने खुद दिया बड़ा अपडेट

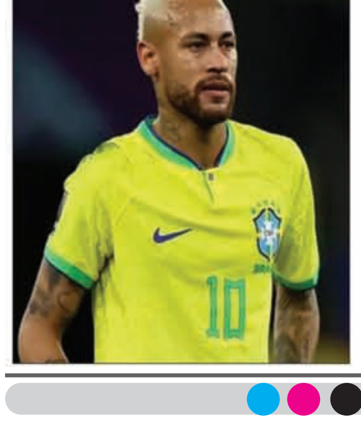

ग्लासगो (एजेंसी)। ब्राजील- फुटबॉलर नेमार जूनियर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेकर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा था। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल था कि क्या नेमार क्लब फुटबॉल से भी संन्यास लेने वाले हैं। अब इस पर खुद नेमार ने बड़ा अपडेट दिया है।

क्लब फुटबॉल से संन्यास पर क्या बोले नेमार?

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने साफ किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं।नेमार ने कहा, 'मैं अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अभी कुछ तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'रुकूंगा, जाऊंगा, संन्यास लूंगा या खेलता रहूंगा... मुझे नहीं पता। दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।'

फैंस के बीच बढ़ी अटकलें

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जहां उन्होंने संन्यास से साफ इनकार नहीं किया, वहीं यह भी नहीं बताया कि दिसंबर के बाद वह किस क्लब के लिए खेलेंगे या खेलना जारी रखेंगे। ऐसे में फैंस उनकी अगली घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

चोटों ने करियर पर डाला असर

34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली (ष्ट्डद्यद्ध) की चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था।

वापसी के बाद बनाया खास रिकॉर्ड

चोट से वापसी करने के बाद नेमार ने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। जनवरी 2025 में सऊदी क्लब अल हिलाल छोड़ने के बाद वह अपने बचपन के क्लब सैंटोस एफसी से जुड़े और फिलहाल वहीं खेल रहे हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि दिसंबर में अनुबंध समाप्त होने के बाद नेमार अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे या क्लब फुटबॉल से भी संन्यास का ऐलान करेंगे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार परिवार की ओर से दिशोम गुरु को

शत्-शत् नमन

संघर्ष, आंदोलन और झारखंड की पहचान

4 अगस्त 2026 को झारखंड आंदोलन के पुरोधा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि मनाई गयी। शिबू सोरेन का निधन 4 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 81 वर्ष की आयु में हुआ था। वे लंबे समय से गुर्दे संबंधी बीमारी से पीड़ित थे।

उनकी पहली पुण्यतिथि पर झारखंड के रामगढ़ जिले के नेमरा (लुकैयाटांड़) स्थित पैतृक गांव में भव्य श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शिबू सोरेन की 14 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर झामुमो नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी रही।

शिबू सोरेन को दिशोम गुरु के नाम से जाना जाता था। उन्होंने आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर लंबे समय तक संघर्ष किया। वे झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री रहे और कई बार सांसद तथा केंद्रीय कोयला मंत्री के रूप में भी कार्य किया। झारखंड राज्य के गठन में उनकी भूमिका को ऐतिहासिक माना जाता है।

क्यों कहलाए दिशोम गुरु?

दिशोम का अर्थ है देश या क्षेत्र, और गुरु का अर्थ है मार्गदर्शक। झारखंड के आदिवासी समाज ने उन्हें यह सम्मान इसलिए दिया क्योंकि वे गांवों में रहने वाले गरीब, आदिवासी और वंचित समुदायों के बीच लगातार सक्रिय रहे। वे अक्सर साधारण वेशभूषा, धोती-कुर्ता और गमछे में दिखाई देते थे।

शिबू सोरेन के उत्तराधिकारी हेमन्त सोरेन

शिबू सोरेन की राजनीतिक विरासत को उनके पुत्र हेमन्त सोरेन ने आगे बढ़ाया। हेमन्त सोरेन कई बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और झामुमो को राज्य की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनाए रखा। झारखंड की वर्तमान राजनीति में भी शिबू सोरेन का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

प्रारंभिक जीवन

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को वर्तमान झारखंड के रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था। उनके पिता सोबरन मांझी शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता थे, जो आदिवासी समाज के उत्थान और महाजनी शोषण के खिलाफ आवाज उठाते थे। वर्ष 1957 में महाजनों द्वारा उनके पिता की हत्या कर दी गई। इस घटना ने शिबू सोरेन के जीवन की दिशा बदल दी और उन्होंने कम उम्र में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग अपनाया।

सामाजिक आंदोलन से राजनीति तक

युवा अवस्था में उन्होंने आदिवासियों की जमीन बचाने, महाजनी प्रथा का विरोध करने और सामाजिक जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाया। उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और वे झारखंड क्षेत्र में एक प्रभावशाली जननेता के रूप में उभरे। वर्ष 1972 में उन्होंने विनोद बिहारी महतो और ए. के. राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की, जिसने आगे चलकर अलग झारखंड राज्य आंदोलन का नेतृत्व किया।

झारखंड आंदोलन में भूमिका

शिबू सोरेन को अलग झारखंड राज्य आंदोलन का सबसे प्रभावशाली चेहरा माना जाता है। उन्होंने आदिवासी अस्मिता, क्षेत्रीय पहचान और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय अधिकार के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व में झारखंड आंदोलन को नई ऊर्जा मिली और लंबे संघर्ष के बाद 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ।

एक घटना जिसने जीवन बदल दिया

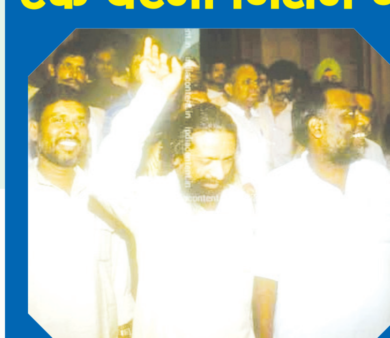

शिबू सोरेन के पिता सोबरन मांझी शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे महाजनी शोषण और आदिवासियों की जमीन हड़पने के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे। 1957 में उनके पिता की हत्या कर दी गई। यह घटना शिबू सोरेन के जीवन का निर्णायक मोड़ बनी। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक संघर्ष का रास्ता चुना और गांव-गांव जाकर लोगों को संगठित करना शुरू किया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रमुख उपलब्धियां

- झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेता — शिबू सोरेन अलग झारखंड राज्य आंदोलन के सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे। उन्होंने दशकों तक आदिवासी पहचान, जल-जंगल-जमीन और क्षेत्रीय अधिकारों के लिए संघर्ष किया।
- झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना — 1972 में विनोद बिहारी महतो और ए. के. राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की, जो आगे चलकर झारखंड आंदोलन की सबसे प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनी।
- झारखंड राज्य गठन में निर्णायक भूमिका — 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य के गठन तक आंदोलन को जीवित रखने और जनसमर्थन बनाए रखने में उनकी भूमिका ऐतिहासिक मानी जाती है।
- तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री — वे 2005, 2008 और 2009 में झारखंड के मुख्यमंत्री बने और राज्य की राजनीति में लंबे समय तक केंद्रीय भूमिका निभाई।
- केंद्रीय कोयला मंत्री — केंद्र सरकार में कोयला मंत्री के रूप में कार्य किया और राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण स्थान बनाया।
- आठ बार लोकसभा सांसद — वे आठ बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए और लंबे समय तक संसद में झारखंड और आदिवासी समुदायों की आवाज उठाते रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ शिबू सोरेन

- आदिवासी अधिकारों के प्रबल समर्थक — उन्होंने आदिवासी भूमि की रक्षा, महाजनी शोषण के खिलाफ संघर्ष और सामाजिक न्याय के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता दिलाई।
- दिशोम गुरु के रूप में जनस्वीकार्यता — झारखंड के आदिवासी समाज में उन्हें दिशोम गुरु यानी जननायक के रूप में सम्मान मिला और वे क्षेत्रीय अस्मिता के प्रतीक बने।
- शिबू सोरेन की सबसे बड़ी उपलब्धि अलग झारखंड राज्य के निर्माण के लिए आजीवन संघर्ष मानी जाती है, जिसके कारण उन्हें झारखंड की राजनीति का सबसे प्रभावशाली जननेता माना जाता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**